आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 291 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

देश में कट्टरपन बढ़ा : भागवत

भागवत बोले : बांग्लादेशी हिन्दुओं की मदद करे दुनिया

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में आरएसएस मुख्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी के अवसर पर 'शस्त्र पूजा' की। मोहन भागवत ने इस अवसर पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, कोलकाता कांड और इजरायल युद्ध पर अपने विचार रखे। भागवत ने यहां भी हिंदुओं को इकट्ठा होने का संदेश दिया। विजयदशमी पर देश भर के कई शहरों में संघ कार्यकर्ताओं द्वारा शस्त्र पूजा की गई।आरएसएस प्रमुख का विजयादशमी संबोधन संगठन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम माना जाता है क्योंकि इस दौरान उनके संबोधन के दौरान भविष्य की योजनाओं और दृष्टिकोण को सभी के सामने रखा जाता है। इसी मंच से राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर आरएसएस के रुख का पता चलता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज दशहरा के पावन अवसर पर पश्चिम बंगाल के सुकना सैन्य स्टेशन पर पारंपरिक शस्त्र पूजा की। भारतीय सेना में यह महत्वपूर्ण समारोह राष्ट्र की संप्रभुता के रक्षक के रूप में हथियारों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

भागवत ने 2024 में संघ के स्थापना दिवस के शताब्दी वर्ष में पहुंचने पर भी चर्चा की। संघ विजयादशमी पर हमेशा अपना स्थापना दिवस मनाता है। विजयादशी के दिन ही 1925 में डॉ. बलराम कृष्ण हेडगेवार ने इसकी शुरुआत की थी।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज के दिन संघ अपने कार्यों के सौ वर्ष में पहुंच रहा है। ये इसलिए भी खास है क्योंकि महारानी दुर्गावती, महारानी होल्कर और महर्षि दयानंद का 200वां जयंती वर्ष भी चल रहा है। इन लोगों ने देश के हित में काफी कार्य किए हैं और इन्हें याद करना हम सबका कर्तव्य है।

भागवत ने आगे बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की बात पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोग हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सिंदूर खेला : दुर्गा पूजा के अंतिम दिन सिंदूर खेला मनाया जाता है। इस रस्म के दौरान, विवाहित महिलाएँ देवी के माथे और पैरों पर सिंदूर लगाती हैं और फिर एक-दूसरे पर लगाती हैं। ऐसा करते समय, वे अपने पति और बच्चों की लंबी उम्र के लिए भी प्रार्थना करती हैं। नोएडा में भी आज दुर्गा पंडालों में सिंदूर खेला का आयोजन हुआ।

नायब सिंह सैनी 17 को लेंगे शपथ

चंडीगढ (एजेंसी)। हरियाणा के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर नायब सिंह सैनी 17 अक्टूबर को शपथ लेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी के तमाम बड़े पदाधिकारी व बीजेपी राज्यों के मुख्यमंत्री भी शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। सैनी का शपथग्रहण दशहरा ग्राउंड सेक्टर-5 पंचकूला में होगा। इसके लिए 10 बजे का समय निर्धारित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री की मंजूरी मिल गई है कि 17 अक्टूबर को पंचकूला में मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद शपथ लेंगे। **(शेष -3 पर)**

सिरसा नहर में गिरी कार, परिवार के 8 लोगों की मौत

कैथल (हरियाणा) (एजेंसी)। हरियाणा के कैथल के गांव मुंदडी के पास आज सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक कार अनियंत्रित होकर सिरसा ब्रांच नहर में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार महिलाएं, तीन बच्चे और कार चालक शामिल हैं।

नौकरी लगाने के नाम पर विधवा महिला से 5 लाख हड़पे

नोएडा (चेतना मंच)। नौकरी लगवाने के नाम पर महिला पुलिसकर्मी ने अपने भाई के साथ मिलकर एक विधवा महिला से 5 लाख रुपए हड़प लिए। नौकरी न लगने पर पीड़िता ने जब अपने पैसे वापस मांगे तो महिला पुलिसकर्मी ने उसे झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भिजवाने की धमकी दी। पीड़ित ने महिला पुलिसकर्मी व उसके भाई के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज

दादरी की काशीराम कॉलोनी में रहने वाली श्रीमती ललिता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पति की कुछ दिनों पूर्व मृत्यु हो गई थी और वह किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण कर रही है। उसका बड़ा बेटा इंटर पास है उसके पड़ोस में नितिन पुत्र तेजपाल निवासी ग्राम साकरोड जनपद बागपत अपनी बहन के साथ कई वर्षों से किराए पर रह रहा था। नितिन की बहन उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत है। पड़ोस में रहने के कारण उनका नितिन के घर आना जाना था। ललिता के मुताबिक एक दिन नितिन ने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता का एम्स में ऑपरेशन

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता

तथा दादरी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व सपा प्रत्याशी राजकुमार भाटी का दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ऑपरेशन हुआ है। ऑपरेशन के बाद सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी स्वस्थ हैं। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी की दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में बाईपास सर्जरी की गई है। सपा नेता राजकुमार भाटी ने अपने ट्विटर हैंडल अकाउंट पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पहले उन्हें परेशानी महसूस हुई जिसके बाद उन्होंने ग्रेटर नोएडा स्थित कैलाश अस्पताल में चिकित्सकों को दिखाया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

फर्जी बैनामा कर 61 लाख रुपए हड़पे आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। फर्जी कागज दिखाकर जेवर क्षेत्र में दूसरे की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर लाखों रुपए हड़पने का मामला प्रकाश में आया है।

सेक्टर-63 थाने में पीड़ित सचिन भाटी पुत्र भूपेंद्र सिंह निवासी जे-100, सेक्टर गामा-2, थाना बीटा-2 ग्रेटर नोएडा ने 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। यह एफआईआर अदालत के आदेश पर दर्ज हुई है।

पीड़ित सचिन भाटी ने आरोप लगाया कि वह जेवर क्षेत्र में कृषि के लिए जमीन खरीदना चाहते थे। उन्होंने पुष्पांजलि सी-57 सेक्टर-63 में संपर्क किया। जिसके मालिक गौरव शर्मा पुत्र बिहारी लाल निवासी सेक्टर-50 नोएडा योगेश रोहतगी पुत्र स्वर्गीय शिवकिशन रोहतगी, यतीश अग्रवाल निवासी एटीएस इंदिरापुरम गाजियाबाद, शिल्पी अग्रवाल पत्नी अनुज बैराठी निवासी महागुण सोसायटी नोएडा से संपर्क किया। तथा उनसे जेवर में जमीन खरीदने की इच्छा जताई। उक्त लोगों ने जेवर के ग्राम मेहंदीपुर बांगर में जमीन के कागजात दिखाकर उनसे सौदा कर लिया। श्री भाटी ने बताया कि उक्त लोगों ने पांच अलग-अलग बैनामें सचिन भाटी व उनके सहयोगियों **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नवरात्र में छलका निबंधन विभाग के राजस्व का पैमाना!

2107 संपत्तियों की रजिस्ट्री में 1 अरब 3 करोड़ से अधिक का राजस्व मिला

नोएडा (चेतना मंच)। नवरात्र के दौरान स्टैम्प व निबंधन विभाग के राजस्व में 1 अरब से भी अधिक का इजाफा किया। इस दौरान 2107 संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई। जिससे स्टाम्प व निबंधन विभाग को 1 अरब, 3 करोड़ 99 लाख 82 हजार 763 रूपये का राजस्व मिला। इन नौ दिनों के दौरान 303 फ्लैटों तथा 1804 अन्य संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई।

एआईजी (स्टाम्प) बी.एस. वर्मा ने बताया कि नवरात्र के प्रथम दिन 3 अक्टूबर को 52 फ्लैट तथा 240 संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई जिसमें विभाग को 154973267 रूपये का राजस्व मिला। 4 अक्टूबर को 86 फ्लैटों व 258 संपत्तियों की रजिस्ट्री पर 2401282854 रूपये, 5 अक्टूबर को 17 फ्लैटों व 255 अन्य सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 63375282 रूपये की आय हुई। 6 अक्टूबर को 8 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 303450 रूपये, 7 अक्टूबर को 16 फ्लैट व 236 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 71225790 रूपये, 8 अक्टूबर को 28 फ्लैटों व 269 अन्य सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 117586320 रूपये, 9 अक्टूबर को 29 फ्लैटों व 233 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 82268820 रूपये, 10 अक्टूबर को 75 फ्लैटों व 248 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 291451970 रूपये एवं 11 अक्टूबर यानि नवमी के दिन 60 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री पर 18669580 रूपये का राजस्व मिला। यानि इन नौ दिनों के दौरान उपनिबंधन प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय को क्रमशः 2107 फ्लैट व अन्य संपत्तियों की रजिस्ट्री पर कुल 1039982763 रूपये का राजस्व मिला।

एआईजी (स्टाम्प) बी.एस. वर्मा

सदस्यता अभियान को लेकर ओबीसी मोर्चा ने की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने विशेष सदस्यता अभियान को लेकर आज बैठक की। बैठक में मोर्चे के सभी पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान को और भी तेज करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश यादव ने कहा कि पदाधिकारी अधिक से अधिक सदस्य बनाने में जुट जाएं। ताकि इस अभियान में नोएडा को अव्वल रखा जा सके। इस मौके पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री भगत भाटी, जिला उपाध्यक्ष सुधीर अवाना, उमेश कुमार, यश नागर, रामकिशन यादव, जिला मंत्री पिंटू यादव, संदीप चौहान, कोषाध्यक्ष

आकाश सेन, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र, सीतम सिंह भाटी, उमेश कुमार साहनी, धर्मेंद्र चपराना, महिपाल सिंह, हेमंत प्रजापति, अमरदीप गुप्ता तथा मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

पति के साथ मिलकर करती थी ब्लैकमेलिंग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 की एक कंपनी में काम करने वाले एक व्यक्ति ने अपनी सहकर्मी महिला उसके पति सहित तीन लोगों के खिलाफ ब्लैकमेल करने के आरोप में थाना सेक्टर-113 में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि सहकर्मी महिला, उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रही है।

सहकर्मी महिला समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-12 में रहने वाले उज्जवल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-62 की एक कंपनी में नौकरी करता था। इस दौरान कंपनी में ही दिव्यांशु यादव के साथ उसकी दोस्ती हो गई। दिव्यांशु यादव ने 21 जनवरी 2023 को उसकी अपनी दोस्त नैना से मुलाकात कराई। मुलाकात के दौरान नैना ने अपना फर्जी नाम पूजा बताया और उसका नंबर ले लिया। इसके बाद दोनों आपस में फोन पर बात करने लगे। उज्जवल का आरोप है कि नैना उसे अपनी निजी समस्या बताते हुए पैसों की मांग करने लगी। उसने जब पैसा देने से मना कर दिया तो वह उसे व्हाट्सएप पर धमकी भरे मैसेज भेजने लगी।

नैना ने धमकी दी कि अगर उसे पैसे नहीं दिए तो झूठे मुकदमे में फंसाकर उसे जेल में सड़वा देगी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भारतीय सोशलिस्ट मंच ने मनाई डा. लोहिया की पुण्यतिथि

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय सोशलिस्ट मंच ने सेक्टर-11 स्थित प्रदेश कार्यालय पर समाजवाद के प्रणेता डा. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि मनाई। मंच के कार्यकर्ताओं ने लोहिया की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंच के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र सिंह अवाना ने डा. लोहिया के संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह लोहिया ही थे जिन्होंने किसानों पर फायरिंग होने पर अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने कहा कि जब लोहिया जी जेल में बंद थे।

इस दौरान केरल सरकार ने आंदोलित किसानों पर फायरिंग कर दी। लोहिया जी ने जेल से ही पार्टी के अध्यक्ष आचार्य नरेंद्र देव को पत्र लिखकर किसानों पर फायरिंग

डा. लोहिया आज होते तो सियासत की दिशा व दशा बदल जाती : देवेन्द्र अवाना

करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वह लोहिया ही थे जो अपने ही कार्यकर्ताओं से बोलते थे कि यदि उनका नेता भी गलत है तो उसका विरोध करो। उन्होंने राजनीतिक दलों में गुलामी प्रथा का विरोध जताते हुए कहा कि आज राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को डा. लोहिया के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है।

देवेंद्र सिंह अवाना का कहना था कि लोहिया जी बदलाव के पक्षधर थे और आज के नेता सत्ता के लोभी हैं। धर्म और जातीय समीकरण के आधार पर चुनाव जीतने की जुगत भिड़ाते रहते हैं। संघर्ष करने को कोई नेता तैयार नहीं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरु
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

सदमें में कांग्रेस

हरियाणा में वापसी को लेकर बनी बड़ी उम्मीदों के बीच आए अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से निश्चय ही कांग्रेस पार्टी सांसत में है। पार्टी का केंद्रीय व राज्य नेतृत्व स्तब्ध है कि आखिर ये क्या और कैसे हुआ। भले ही पार्टी ईवीएम व चुनाव प्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर रही है, लेकिन इसके बावजूद उसे हरियाणा में शिकस्त और जम्मू-कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेना चाहिए। निश्चय ही इस प्रदर्शन ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर दिया है। यहां तक कि इंडिया गठबंधन में घटक दलों द्वारा बयानबाजी का दौर तेज हुआ है। वे कांग्रेस के अति आत्मविश्वास को विफलता की वजह बता रहे हैं। निस्संदेह, लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की यह सबसे पुरानी पार्टी पिछले दो आम चुनावों की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आई थी। पार्टी को लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिली थी। वहीं पार्टी के युवा तुर्क राहुल गांधी खासे मुखर थे। लेकिन आठ अक्तूबर के नतीजे के बाद स्थितियां बदल गई हैं। इसके कुछ सहयोगियों, जैसे कि शिव सेना-यूबीटी, सीपीआई और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को आगामी विधान सभा चुनावों के लिये आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी है। साथ ही अपनी आगामी रणनीति की समीक्षा करने की सलाह भी दी है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सीट बंटवारे की बातचीत फिलहाल अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी कांग्रेस इस बदले हालात में सीटों के बंटवारे के लिये बेहतर सौदेबाजी करने का अवसर महसूस कर रही हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने गठबंधन के सहयोगियों को तुरंत याद दिलाया है कि उसने इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसने जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से तेरह पर जीत हासिल की थी। बहरहाल ऐसे तर्कों के बावजूद कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में की गई चूकों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके कई फैसलों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। गठबंधन में शामिल आप के साथ तालमेल करने के बजाय अकेले चुनाव लड़ना सवालों के घेरे में रहा है। यद्यपि हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन पार्टी द्वारा हासिल 1.79 वोट शेयर ने भाजपा और कांग्रेस में कांटेदार टक्कर के बीच नतीजों पर कुछ असर तो डाला ही है। भले ही कांग्रेस आलाकमान अपने फैसलों को लेकर तर्क देता रहे, लेकिन उसे अपने गठबंधन के साझेदारों के प्रति अधिक उदार होने की जरूरत है। झारखंड में भाजपा के प्रभुत्व के मद्देनजर कांग्रेस को इतना विनम्र तो होना चाहिए कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाद दूसरी भूमिका निभा सके। महाराष्ट्र में भी, उसे इस बात को प्राथमिकता देनी चाहिए कि गठबंधन के लिये क्या बेहतर हो सकता है न कि वह अपने पार्टी हितों को प्राथमिकता दे। यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि लोकसभा चुनावों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से एकजुट हो गई है। पार्टी ने अपने अहम को त्यागकर गठबंधन धर्म की राह पकड़ी है। कांग्रेस को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी से कुछ तो सबक सीखना चाहिए, यह जानते हुए कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के जनादेश से कांग्रेस के लिये राष्ट्रीय राजनीति में मुश्किलें बढ़ेंगी। इस बात का अंदाजा इस घटनाक्रम से लगाया जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद आम आदमी पार्टी व शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट ने कांग्रेस को निशाना बनाना आरंभ कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने तो यहां तक घोषणा कर दी है कि दिल्ली विधान सभा के चुनाव पार्टी अकेले ही लड़ेगी। हरियाणा चुनावों के अप्रत्याशित परिणामों की एक व्याख्या यह भी की जा रही है कि भाजपा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच की दूरियां कम हो गई हैं। यह भी कि हरियाणा के अप्रत्याशित चुनावों में संघ की निर्णायक भूमिका रही है। यह तथ्य इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि संघ का नागपुर मुख्यालय महाराष्ट्र की राजनीति में प्रभावी घटक भी हो सकता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे प्रभो! मेरे पिता के घर बहुत बड़ा उत्सव है। यदि आपकी आज्ञा हो तो हे कृपाधाम! मैं आदर सहित उसे देखने जाऊँ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

पूछेउ तब सिवँ कहेउ बखानी। पिता जग्य सुनि कछु हरषानी॥

जौं महेसु मोहि आयसु देहीं। कछु दिन जाइ रहौं मिस एहीं॥

सतीजी ने (विमानों में देवताओं के जाने का कारण) पूछा, तब शिवजी ने सब बातें बतलाईं। पिता के यज्ञ की बात सुनकर सती कुछ प्रसन्न हुईं और सोचने लगीं कि यदि महादेवजी मुझे आज्ञा दें, तो इसी बहाने कुछ दिन पिता के घर जाकर रहूँ॥

पति परित्याग हृदयँ दुखु भारी। कहइ न निज अपराध बिचारी॥

बोली सती मनोहर बानी। भय संकोच प्रेम रस सानी॥

क्योंकि उनके हृदय में पति द्वारा त्यागी जाने का बड़ा भारी दुःख था, पर अपना अपराध समझकर वे कुछ कहती न थीं। आखिर सतीजी भय, संकोच और प्रेमरस में सनी हुई मनोहर वाणी से बोलीं-॥

दो0-पिता भवन उत्सव परम जौं प्रभु आयसु होइ।

तौ मैं जाउँ कृपायतन सादर देखन सोइ॥

हे प्रभो! मेरे पिता के घर बहुत बड़ा उत्सव है। यदि आपकी आज्ञा हो तो हे कृपाधाम! मैं आदर सहित उसे देखने जाऊँ॥

(क्रमशः..)

हरियाणा विधानसभा चुनाव: एकजुट संगठन व हिंदुत्व की विचारधारा ने खिलाया कमल

सभी मीडिया सर्वेक्षणों, एग्जिट पोल तथा पोल पंडितों को धता बताते हुए भारतीय जनता पार्टी ने जिस प्रकार हरियाणा के चुनावों में लगातार तीसरी बार भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की है उसकी गूंज दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। लोकसभा चुनावों में 240 पर सिमट जाने के बाद कांग्रेस और इंडी गठबंधन का लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न लगा रहा था और कांग्रेस नेता राहुल गांधी कह रहे थे कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आत्मविश्वास हिला दिया है अब प्रधानमंत्री मोदी पहले जैसे नहीं रहे किंतु आठ अक्टूबर को आए हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणामों ने बाजी पलट कर रख दी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत का जहर घोलने वालों, अग्निवीर से लेकर फ्री राशन जैसी सरकारी नीतियों के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों को पर्याप्त संकेत मिल गया है। हरियाणा की जनता ने निराशावादियों की ओर से फैलायी जा रही निराशा को उन्हीं की ओर वापस फेंक दिया है। हरियाणा के परिणामों से पूरे भारत की जनता आनंदित है। हरियाणा में भाजपा की यह जीत कई मायने में ऐतिहासिक और परिणाममूलक है क्योंकि इस विजय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों में एक नये उत्साह का संचार हुआ है जो आगामी सभी विधानसभा चुनावों झारखंड, महाराष्ट्र और फिर दिल्ली के विधानसभा चुनावों की तैयारी लगे हैं। वहीं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी बीजेपी अब यूपी की 10 विधानसभा सीटों को जीतने के लिए नये उत्साह व मनोयोग के साथ मैदान में उतरने जा रही है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों में योगी को घेरने की दृष्टि से बसपा जोर आजमाइश करने की तैयारी करने जा रही थी किंतु हरियाणा में गठबंधन के साथ उसको जोरदार झटका लगा है और अधिकांश सीटों पर जमानतें जब्त हो गई हैं। हरियाणा की जनता ने बसपा की विचारधारा को नकार दिया है।

चुनाव परिणाम आने के पश्चात विजयी और पराजित दोनों ही पक्षों ने अपनी अपनी समीक्षा प्रारम्भ कर दी है। हरियाणा में भाजपा ने विधानसभा चुनावों में पूरा ध्यान बूथ प्रबंधन पर रखा, कई क्षेत्रों में तो में सरपंची स्तर की तरह हिंदू समाज को एकजुटता का संदेश देते हुए 16 हजार जनसभाएं करके वातावरण बना दिया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत का जहर घोलने वालों, अग्निवीर से लेकर फ्री राशन जैसी सरकारी नीतियों के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों को पर्याप्त संकेत मिल गया है।

चुनाव लड़ा जिसका बड़ा लाभ चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। वहीं कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में विजय संकल्प यात्रा निकाली किंतु राहुल गांधी के ओछे बयानों व हरकतों से हुड्डा की रणनीति परवान नहीं चढ़ पाई। भाजपा की ओर से प्रधानमत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में प्रचार किया गया। भाजपा ने 150 रैलियां की जबकि कांगेस ने 70। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिह हुड्डा को आगे किया किन्तु कुमारी शैलजा के साथ उनकी अनबन से कांग्रेस की आंतरिक कलह बाहर आ गई।

संघ व योगी की जनसभाओं ने मचाया धमाल- विश्लेषकों का अनुमान है कि हरियाणा विधानसभा चुनावों में संघ का सक्रिय सहयोग भाजपा की बड़ी जीत में अहम रहा है। भाजपा और संघ के नेताओं की समन्वय बैठक हो जाने के बाद डा. मोहन भागवत ने भी तीन दिन तक हरियाणा का प्रवास किया गया और इसका स्वयंसेवकों के बीच सकारात्मक संकेत गया। हरियाणा में संघ ने हरियाणा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अदृष्य शक्ति के रूप में भाजपा की सहायता कर रहा था।

हरियाणा में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं की बहुत मांग थी और उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ आ रही थी। योगी जी ने 14 सीटों पर प्रचार किया और उनमे से नौ सीटों पर विजय मिली है। योगी जी ने हिंदुओ को एकजुट होकर राष्ट्र के लिए वोट देने की अपील की थी। योगी जी ने अपनी रैलियों में बटेंगे तो कटेंगे का मर्म समझाकर वातावरण बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योगी जी ने अपनी एक रैली में कहा कि हमें राष्ट्र के लिए एक होना पड़ेगा, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हुए अत्याचारों का मुद्दा भी उठाया, योगी जी ने स्पष्ट रूप से अपील करते हुए कहा कि अगर हम बाटेंगे तो कटेंगे, अगर हिंदू एक नहीं होंगे तो हमारे देश का हाल भी बांग्लादेश जैसा हो जाएगा। योगी जी ने राम मंदिर पर बयान दिये। योगी आदित्यनाथ जी के भाषणों व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयासों से हरियाण में हिंदू जनमानस एकजुट हो गया और उससे मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दलों के होश उड़ गये।

हरियाणा में हिंदू जनमानस को राहुल गांधी के अटपटे बयानों के कारण भी एकजुट होना पड़ गया क्योंकि हरियाणा की जनसभाओं में राहुल गांधी ने अयोध्या में राम मंदिर का एक बार फिर विकृत तरीके से अपमान करते हुए कहा कि वहां पर मंदिर का उद्घाटन हो रहा थ तब वहां खुल रहा था और नाच गाना चल रहा था। इस बयान का हरियाणा की रामभक्त जनता पर विपरीत असर पड़ा और परिणाम सबके सामने है। राम मंदिर पर राहुल गांधी के बयान हरियाणा कांग्रेस के लिए सबसे बड़े पनौती सिद्ध हुए। इसके अतिरिक्त कांग्रेस के मुस्लिम विधायक कह रहे थे कि सरकार आई तो हिंदुओं को देख लेंगे। जूनियर हुड्डा बीजेपी नेताओं को जेल भेजने की धमकी दे रहे थे। कांग्रेस ने चुनाव जीतते ही तथाकथित किसानों के लिए शंभू बार्डर खोलने का ऐलान किया था।

कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने अमेरिका में जाकर जमकर भारत विरोधी बयानबाजी की और यहां तक कह डाला कि जब उन्हें आभास होगा कि अब भारत के हालात अच्छे हो गये हैं तब वह आरक्षण समाप्त कर देंगे, बदल देंगे और इस प्रकार वह अपने ही बुने जाल में फंस गये क्योंकि लोकसभा चुनाव में वह बीजेपी पर आरोप लगा रहे थे कि अगर बीजेपी 400 पार चली जायेगी तो आरक्षण समाप्त कर देगी। हरियाणा की जनता को कांग्रेस परिवार की बकवास पसंद नहीं आई और उन्होंने अपने युवा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ही एक बार फिर अपना समर्थन दे दिया।

हरियाणा चुनावों के समय ही कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारों व कांग्रेस के लोकलुभावन वादों की पोल खुल गई। हिमाचल प्रदेश में अवैध मस्जिदों के खिलाफ हिंदू समाज सड़क पर उतर आया जिसका असर भी हरियाणा में अवश्य पड़ा है।

विपक्ष सहित बहुत से तथाकथित राजनैतिक विश्लेषक आठ अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को समाप्त घोषित करने की तैयारी में जुटे थे, कुछ लोग उनके इस्तीफे की घोषणा सुनना चाहते किंतु उनका यह सपना पूरी तरह टूट चुका है।

-मृत्युंजय दीक्षित

विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवसः जीवन में बदलाव लाने वाली व्यावसायिक चिकित्सा

विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर, अवसर पर, दुनिया भर में व्यावसायिक चिकित्सा समुदाय एकजुट होकर व्यावसायिक चिकित्सा के जीवन-परिवर्तनकारी लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहा है। हर साल 27 अक्टूबर को मनाया जाने वाला यह दिन व्यावसायिक चिकित्सकों की उस महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है, जिसके माध्यम से वे शारीरिक, भावनात्मक या संज्ञानात्मक चुनौतियों के बावजूद व्यक्तियों को अधिक स्वतंत्र और पूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं। इस साल का विषय है सभी के लिए व्यावसायिक चिकित्सा।

व्यावसायिक चिकित्सा क्या है?

व्यावसायिक चिकित्सा एक स्वास्थ्य पेशा है जो सभी उम्र के लोगों को उन दैनिक गतिविधियों (व्यवसायों) को करने में मदद करने पर केंद्रित है जो उनकी भलाई के लिए आवश्यक हैं। खाने और कपड़े पहनने जैसी बुनियादी स्व-देखभाल गतिविधियों से लेकर काम करने, सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने और शौक पूरा करने जैसी जटिल गतिविधियों तक, व्यावसायिक चिकित्सक अपने ग्राहकों के साथ उन कौशलों को विकसित करने, पुनः प्राप्त करने या बनाए रखने के लिए काम करते हैं जो इन दैनिक कार्यों के लिए आवश्यक हैं।

अन्य चिकित्सा उपचारों से अलग, व्यावसायिक चिकित्सा अत्यधिक व्यक्तिगत होती है। यह व्यक्ति के लक्ष्यों, क्षमताओं और वातावरण को ध्यान में रखते हुए एक अनुकूलित योजना प्रदान करती है ताकि चुनौतियों को पार किया जा सके और दैनिक जीवन में अधिक भागीदारी हो सके। चाहे किसी बच्चे को विकासात्मक देरी से उबरने में मदद करना हो, चोट से उबर रहे व्यक्ति का समर्थन करना हो, या वृद्ध व्यक्ति को घर पर सुरक्षित रूप से उम्र बढ़ाने में सहायता करना हो, व्यावसायिक चिकित्सक जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सबसे आगे होते हैं।

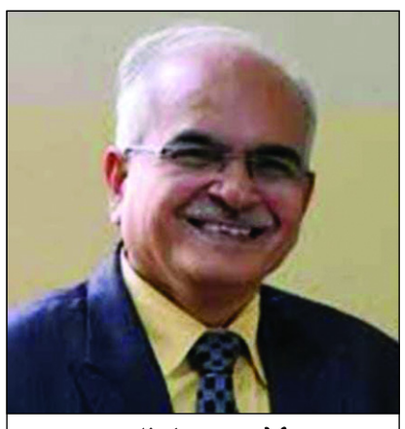

डॉ. पंकज बाजपेई

जीवन के हर चरण में व्यावसायिक चिकित्सा की भूमिका-

व्यावसायिक चिकित्सा की खासियत यह है कि यह जीवन के हर चरण में लोगों की सेवा करती है बाल्यावस्था व्यावसायिक चिकित्सा विकासात्मक विकार (जैसे ऑटिज़्म), सीखने की अक्षमताएं, या शारीरिक विकलांगता (जैसे मस्तिष्क पक्षाघात, जन्मजात पैर या हाथ की असमानताएं) से जूझ रहे बच्चों को बारीक मोटर कौशल, संवेदी प्रसंस्करण और सामाजिक संपर्क में सुधार करने में मदद करती है। वे विशेष चिकित्सीय तकनीकों का उपयोग करते हैं जिससे बच्चे स्कूल और दैनिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

वयस्क अवस्था चोट (जैसे फ्रैक्चर, विच्छेदन, सिर की चोट), बीमारी (जैसे हीमोफिलिया, पार्किंसंस) या सर्जरी से उबर रहे वयस्कों के लिए, व्यावसायिक चिकित्सा पुनर्वास प्रदान करती है, जो स्वतंत्रता प्राप्त करने पर केंद्रित है। इसमें कपड़े पहनने, खाना पकाने या गाड़ी चलाने जैसे दैनिक कार्यों में पुनः प्रशिक्षण शामिल हो सकता है, साथ ही दीर्घकालिक विकलांगताओं के अनुकूलन की प्रक्रिया भी।

वृद्ध अवस्था जैसे-जैसे उम्र बढ़ने के साथ गतिशीलता या संज्ञानात्मक कार्यों में कमी आ सकती है, व्यावसायिक चिकित्सा वृद्ध व्यक्तियों को गठिया या डिमेंशिया जैसी पुरानी स्थितियों को प्रबंधित करने में मदद करती है, जिससे वे यथासंभव लंबे समय तक स्वतंत्र और सुरक्षित जीवन जी सकें।

मानसिक स्वास्थ्य व्यावसायिक चिकित्सा मानसिक स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, चिंता, अवसाद, या सिज़ोफ्रेनिया जैसी स्थितियों से जूझ रहे व्यक्तियों को स्वस्थ दिनचर्या बनाने और मुकाबला तंत्र में सुधार करने में मदद करती है।

स्वास्थ्य और दैनिक जीवन के बीच की खाई को पाटना-

व्यावसायिक चिकित्सक समस्या-समाधानकर्ता होते हैं, जो अपने ग्राहकों के साथ मिलकर उनकी भागीदारी में आने वाली बाधाओं को हल करने का काम करते हैं। वे निम्नलिखित में सहायता कर सकते हैं

घर या कार्यस्थल अनुकूलन करना- गतिशीलता समस्याओं या संज्ञानात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए, व्यावसायिक चिकित्सक सुरक्षा और स्वतंत्रता बढ़ाने के लिए रैंप, ग्रैब बार, या विशेष सीटिंग जैसी अनुकूलन विधियों की सिफारिश करते हैं।

सहायक तकनीक का परिचय देना सरल उपकरणों जैसे अनुकूलन किए गए बर्तनों से लेकर उन्नत उपकरणों जैसे आवाज उत्पन्न करने वाली मशीनों तक, व्यावसायिक चिकित्सक समाधान प्रदान करते हैं जो लोगों को दैनिक गतिविधियों को अधिक आसानी से करने में मदद करते हैं।

चोटों का पुनर्वास करना दुर्घटनाओं या सर्जरी से उबर रहे लोगों के लिए, व्यावसायिक चिकित्सा उन्हें आवश्यक कार्यों को करने की क्षमता वापस पाने में मदद करती है, जिससे उनकी देखभालकर्ताओं पर निर्भरता कम हो जाती है।

भावनात्मक भलाई को बढ़ावा देना व्यावसायिक चिकित्सा पुनर्वास के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को भी संबोधित करती है, आत्मविश्वास बढ़ाने, चिंता कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए चिकित्सीय गतिविधियों का उपयोग करती है।

व्यावसायिक चिकित्सा के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना

विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस पर, दुनिया भर के स्वास्थ्य संगठन, शैक्षणिक संस्थान और वकालत समूह इस पेशे के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इस साल का विषय व्यावसायिक चिकित्सा की सशक्त बनाने वाली प्रकृति और इसके माध्यम से व्यक्तियों को उनके सर्वश्रेष्ठ जीवन जीने में सक्षम बनाने पर केंद्रित है।

डॉ. अनूप कुमार अग्रवाल, पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष दिल्ली कहते हैं, हम हर दिन प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं कि व्यावसायिक चिकित्सा किस प्रकार फर्क लाती है। चाहे किसी को चोट के बाद काम पर लौटने में मदद करना हो, या विकासात्मक देरी से जूझ रहे किसी बच्चे को स्कूल में पूरी भागीदारी करने में मार्गदर्शन देना हो, हमारा लक्ष्य हमारे रोगियों के लिए जीवन को आसान, अधिक कार्यात्मक और आनंदमय बनाना है।

अधिक जानकारी के लिए व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं और पाठ्यक्रमों के बारे में अधिक जानकारी के लिए AIOTA की वेबसाइट (www.aiota.org) पर जाएं या अपने निकटतम पुनर्वास सुविधा से संपर्क करें।

-डॉ. पंकज बाजपेई
अध्यक्ष-ऑल इंडिया व्यावसायिक चिकित्सक संघ, पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष व्यावसायिक चिकित्सा विभाग
राष्ट्रीयअस्थि दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : विजयादशमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य आपका अच्छा चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। जबकि आराम-तलब चीजें लग्जरी आइटम की बढ़ोत्तरी होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
जो भी आपने सोचा है, उसे व्यावसायिक रूप से लागू करें। लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक भी बढ़ेगा, लेकिन खर्च की अधिकता हो सकती है। अगर खर्च किया, तो नुकसान भी होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पॉजिटिव ऊर्जा आपके अंदर बहुत अच्छी चल रही है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा चल रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च की अधिकता रहेगी। मन परेशान रहेगा। फिर भी एक रौब और रुआब आपके अंदर बना रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी न करें। सिर दर्द,नेत्र पीड़ा संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक, व्यापारिक संतुलन बनेगा। तरक्की करेंगे। जो भी सरकारी तंत्र है, कोर्ट-कचहरी है, राजनीतिक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है और व्यापार बहुत अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं एक दिन बस, उसके बाद सबकुछ अच्छा हो जाएगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

रामलीला के भव्य मंचन से श्रोता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य ने बताया कि श्री आदर्श रामलीला कमेटी सूरजपुर में रामलीला मंचन आरती होने की शुरुवात से हुई और आज रामलीला मंचन पर राम रावण के युद्ध कुंभकरण को युद्ध में लड़ने के लिये निद्रा भंग करने में ढोल नगाड़े बजाकर उठाया जाता है और युद्ध में कुंभकर्ण वध, मेधनाथ वध, सती सलोचना, हलुमान-मकरध्वज संवाद, अरहिरावण वध के दृश्य रामलीला मंचन करने आये कलाकारों के ज़रिये बढ़े ही मनोहारी ढंग से दृश्य प्रस्तुत किया गया दर्शकों ने बड़े ही भाव विभोर होकर कलाकारों की कलाकारी को सराहा रामलीला मैदान बराही मंदिर पर रामलीला अध्यक्ष सतवीर भाटी ने कहा मेला और रामलीला मंचन देखने के लिये रोज़ भारी संख्या में दर्शक पहुँच रहे है और उन्होंने कहा कि कल रावण दहन रामलीला ग्राउंड पर किया जायेगा मेले में बच्चे झूला झूलने से लेकर खाने के लिए स्वादिष्ट व्यंजन का आनन्द लिया और आये हुए श्रद्धालु भक्त मेले में ख़रीदारी घरेलू सामनों के स्टालों से ख़रीद रहें है रामलीला कमेटी महासचिव सत्यपाल शर्मा ने बताया कि मेला और रामलीला मंचन बड़े ही व्यवस्थित रूप से चल रही है मेले की व्यवस्था और मेले में आये हुए रामलीला मंचन देखने के लिये दूर दराज से दर्शक मंचन और मेला देखने के लिये पहुँच रहे है आये हुए दर्शकों को कार पार्किंग व्यवस्था के साथ लोगो के लिये सुरक्षा व्यवस्था पुलिस प्रशासन (मेला पुलिस चोकी)और श्री आदर्श रामलीला के पदाधिकारी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कार्य में लगे है।

रामलीला मंचन पर मुख्यरूप से अध्यक्ष सत्यवीर भाटी, भूदेव शर्मा, मूलचंद शर्मा, महासचिव सत्यपाल शर्मा, ओमवीर बैसला, अनिल भाटी, लक्ष्मण सिंघल, अजय शर्मा एडवोकेट, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, सह मीडिया प्रभारी मोहित शर्मा, सह मीडिया प्रभारी दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल, विजय पाल भाटी हरि ट्रैवल्स अजय गुप्ता पवन गर्ग रवि बंसल संजू गर्ग सोविन्द्र सिंह भाटी, सुनील चावड़ा, बिजेंद्र मुदग़ल, सचिन जिन्दल, सुभाष शर्मा, राजेश ठेकेदार, विनोद भाटी, रघुवीर सिंह जेसीबी वाले, विनोद पंडित, अशोक शर्मा, केडी गुर्जर , अमन त्यागी, अवनेन्द्र यादव, चेतन शर्मा, अनिल आर्य, रविन्द्र मास्टर, शिव किशोर विशाल कुमार सुभाष शर्मा जीन्स वाले चेतन शर्मा अरुण शर्मा नवीन देवधर ओमपाल ठाकुर डॉक्टर ओमप्रकाश शर्मा योगेश अग्रवाल चिराग गोयल उज्जवल गर्ग तुषार अग्रवाल अनिल शर्मा सचिन शर्मा नेम सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

किसान सभा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा, किसान परिषद, जय जवान जय किसान मोर्चा की संयुक्त बैठक जैतपुर कार्यालय किसान सभा के दफ्तर पर संपन्न हुई।

बैठक में किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि हाई पावर कमेटी किसानों ने बड़ी मेहनत और आंदोलन के बाद बनवाई थी और किसानों को उम्मीद बंधी थी कि सरकार हाई पावर कमेटी के आधार पर गौतम बुद्ध नगर के किसानों की समस्याओं का हल करेगी हल करना तो दूर सरकार सिफारिश को दबाकर बैठ गई है किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि लड़ाई हम निर्णायक लड़ेंगे।

डीएम गौतमबुद्धनगर से हमारी अपील है कि सिफारिश को तुरंत सार्वजनिक करें अनयथा किसानों को लगातार पक्का मोर्चा लगाकर आंदोलन करना पड़ेगा जय जवान जय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील फौजी ने संबोधित करते हुए कहा कि हम पूरा जोर लगाकर प्रचार प्रसार कर रहे हैं गौतम बुद्ध नगर के किसानों की न केवल जमीन हथिया ली गई हैं बल्कि उन्हें वाजिब और कानूनी हकों से भी उन्हें वंचित किया गया है किसान और सहन करने के मूड में नहीं है लड़ाई निर्णायक होगी हजारों किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करने 14 तारीख को पहुंच रहे हैं। आज 14 तारीख के आंदोलन के प्रचार के लिए ग्राम घंघोला एवं रायपुर में दो टू डोर प्रचार किया गया एवं जन चेतना यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों किसानों ने आंदोलन में शामिल होने का वादा किया।

बैठक में उदल आर्य जयप्रकाश आर्य अजय पाल भाटी भगत सिंह सुरेंद्र पंडित जी संदीप भाटी शीशांत भाटी गुरप्रीत एडवोकेट जगबीर नंबरदार सूले यादव मोहित यादव एमपी यादव निशांत रावल सुधीर रावल एवं किसान सभा किस परिषद जय जवान जय किसान मोर्चा के अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपाइयों ने मनाई लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण एक महान चिंतक एवं दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे। आधुनिक भारत के उन प्रमुख व्यक्तियों में वे एक थे, जिन्होंने भारत की राजनीति को गहन रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने भारत में न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था की स्थापना के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का काम किया। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण विदेशी सत्ता से देशी सत्ता, देशी सत्ता से व्यवस्था, व्यवस्था से व्यक्ति में परिवर्तन के पक्षधर थे। वे भारत में ग्राम स्वराज्य का सपना देखते थे और उसे आकार देने के लिए उन्होंने अथक प्रयत्न किए। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण के मौलिक विचार आज भी अपने देश की ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रासंगिक हैं।

इस मौके पर मुख्य रूप से नरेन्द्र नागर, समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव रामशरण नगर एडवोकेट, यूनुस प्रधान, सुदेश भाटी, कपिल ननका, प्रवीण भाटी, विकास जतन, लोकेश भाटी, सीपी सोलंकी, अनूप तिवारी, गजेंद्र यादव, जुगती सिंह, इरसाद सैफी, रिहान खान, अभिषेक भाटी, प्रदीप रावत, अंकित मलिक, प्रमोद कुमार, राकेश गौंड आदि मौजूद रहे।

बरौला व सेक्टर-17 में हुआ जागरण का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। दीदी की रसोई ट्रस्ट के तत्वाधान में गांव बरौला सेक्टर-49, नोएडा और शिवनगर सेक्टर-17, नोएडा पर भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जागरण का श्रोताओं ने जमकर आनंद उठाया और संगीतमय धुनों पर जमकर डांस किया।

शिवनगर सेक्टर-17 नोएडा मंदिर पर ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व ट्रस्ट की पदाधिकारी सविता देवी आदि के नेतृत्व में जागरण संपन्न हुआ।

बरौला सेक्टर-49, नोएडा पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा के मार्गदर्शन में श्रीमती माया देवी, मुकेश शर्मा, डोली शर्मा, नीतू शर्मा आदि के द्वारा कराया गया।

महर्षि नगर में माँ सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा

नोएडा। सेक्टर 110 स्थित रामलीला परिसर में ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर जगत गुरु श्री बासुदेवा नन्द सरस्वती जी महाराज के दिव्य आशीर्वाद से शारदीय नवरात्रि की महानवमी यानि 11 अक्टूबर को मां दुर्गा की सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा अर्चना वैदिक पंडितो द्वारा किया गया।

मीडिया प्रभारी ए के लाल ने बताया इस पावन अवसर पर रात्रि आठ बजे से रामलीला मंचन के नवम तिथि की कलाकारों ने युवराज अंगद - रावण संवाद, लक्ष्मण का मूर्छित होना और कुंभकर्ण वध का मंचन किया। रामलीला कार्यक्रम में लक्ष्मण का मूर्छित होने के प्रसंग ने रामभक्तों को भावुक और शून्य चेतना की स्थिति में ला दिया।

आज की रामलीला मंचन देखने के लिए भंगेल बाजार, सलारपुर और गेझा के अलावा

आस-पास के कई सोसाइटियों के भक्त बड़ी संख्या में मौजूद थे। रामलीला कार्यक्रम को वैश्विक दर्शकों भी सरलता के साथ लाइव दर्शन करने के लिए यू ट्यूब चैनल पर प्रसारण किया जा रहा है।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष श्री राहुल भरद्वाज जी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। इसके साथ इस अवसर पर श्री दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्री रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान साथ में महर्षि रामलीला समिति के यादवेंद्र यादव, शिशिरकांत श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, दयाशंकर गुप्ता, विनोद दीक्षित, गिरीश अग्निहोत्री, ललन पाठक, शिशुपाल सिंह यादव, रजनीश यादव, श्रीकांत ओझा, विनोद श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, संजय सिन्हा, एस पी गर्ग, कमलेश यादव, अवधराज शुक्ला, संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी गण तथा नगर के हजारों रामलीला और सनातन धर्म प्रेमी मौजूद थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं.: टेण्डर नं. "01-जीकेपी-एमडब्लूएस-2024-25-2" निविदा कार्य का विवरण: "एएमसी ऑफ नॉर-ब्रेम्से मेक फिटेड एक्सल माउन्टेड डिस्क ब्रेक सिस्टम (एएमडीबीएस) ईन एलएचबी कोचेस फॉर 1 ईयर एट मेकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर", अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 17,87,28,575/-, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 10,43,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 29-10-2024, 11:00 बजे, संविदा की अवधि: 12 माह।

• उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट *https://www.ireps.gov.in* पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जी./कार्य, यांत्रिक मुजाधि/यांत्रिक-66 कारखाना, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पृष्ठ एक के शेष....

देश में कट्टरपन बढ़ा ....

उन्होंने कहा कि वहां हिंसा बढ़ने के बाद हिंदू इकट्ठा हुए तो वो बच सके, इसलिए हमें एकसाथ होना होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप के बाद हत्या का कांड काफी शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कोलकाता की घटना पूरे समाज को कलंकित कर रही है। डॉक्टर इसके खिलाफ खड़े भी हुए, लेकिन कुछ लोग अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, जो काफी गलत है। ये हमारी संस्कृति को बिगाड़ रहा है।

भागवत ने अपने संबोधन में इजरायल युद्ध का भी जिक्र किया और कहा कि इसका दूरगामी परिणाम हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर हर कोई चिंतित है कि उस पर क्या प्रभाव पड़ेगा। भागवत ने ये भी कहा कि देश में कट्टरपन की घटनाएं बढ़ रही हैं। किसी नीति या हालात पर असंतोष हो सकता है, लेकिन उसे बताने के लिए कई प्रजातांत्रिक मार्ग है, इसके लिए हिंसा करना कभी सही नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी खास वर्ग को निशाना बनाना या डराना गुंडागर्दी है। इस पर हमें मिलकर कुछ करना होगा।

नायब सिंह सैनी 17 को.....

बीते दिन दिल्ली में नायब सिंह सैनी उनसे मुलाकात भी की थी। हरियाणा के नए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की शपथ ग्रहण समारोह के लिए जिला स्तर की समिति तैयारियों में जुटी है।

बीते दिनों सैनी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ बीजेपी नेताओं से मुलाकात की थी। इनके अलावा, उन्होंने केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से भी भेंट की।

सिरसा नहर में गिरी कार....

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक परिवार गांव डीग का रहने वाला था और वे पुंडरी से कैथल की ओर आ रहे थे। हादसा शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। जैसे ही हादसे की सूचना मिली, पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी को कार से बाहर निकालकर कैथल के नागरिक अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने सभी सात लोगों को मृत घोषित कर दिया।

इस दर्दनाक घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक गांव गुहणा में लगने वाले मेले में जा रहे थे। जब वे पूंडरी से कैथल की ओर मूंदड़ी नहर में पहुंचे तो कार अनियंत्रित हो गई व नहर में गिर गई। मौके पर राहगीरों ने कार को डूबते देखा वहां पर आस पास के लोग पहुंचे। पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद कार में सवार महिलाओं व बच्चों सहित कार चालक को बाहर निकाला।

हादसे का शिकार हुए आठ लोगों में से एक 15 साल के बच्चे का शव नहीं मिल पाया है। जबकि चार महिलाओं, 2 बच्चों व एक कार चालक का शव पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से मौके पर ही बाहर निकाल लिया। 15 साल के बच्चे के शव की तलाश के लिए गोताघोर लगाए गए हैं।

फर्जी बैनामा कर 61 लाख....

के पक्ष में कर दिए। इसके एवज में सचिन भाटी ने उक्त लोगों को चेक तथा नगद के जरिए 61 लाख रुपए का भुगतान भी कर दिया।

रजिस्ट्री करने के बाद जब वे मेंहदीपुर बांगर में जमीन की पेमाइश तथा खंबा लगाने पहुंचे तो ग्रामीणों ने यह कहकर विरोध किया कि इस जमीन का मालिक तालिब खां पुत्र ताहिर खां नहीं है। ग्रामीणों ने उन्हें वापस लौटा दिया।

यह जानकारी होने पर जब सचिन ने उक्त फर्जी बैनामा करने वाले आरोपियों से संपर्क किया तो उन्होंने मारपीट की धमकी दी तथा पैसा देने से मना कर दिया। लुटे-पिटे सचिन भाटी जब पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। अंतत: उन्होंने अदालत की शरण ली। अदालत के आदेश पर पुलिस ने गौरव शर्मा, योगेश रोहतगी, यतीश अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, आस मोहम्मद, सलाउद्दीन, विनीत कुमार गुप्ता तथा तालिब के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-420, 406, 467, 468, 471, 504 तथा 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया। आरोपी गौरव शर्मा अपने आप को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बेहद करीबी बताता है। पीड़ित सचिन ने आरोप लगाया कि यह लोग इसी तरीके से फर्जी रजिस्ट्री करके लोगों के करोड़ों रुपए लूटते हैं। पीड़ित ने गुहार की की ऐसे आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा उनको गिरफ्तार करके जेल भिजवाया जाए तथा उनके पैसे वापसदिलवाया जाए।

भारतीय सोशलिस्ट मंच ने....

आज फिर से लोहिया जी जैसे संघर्ष की जरूरत है। जैसे लोहिया जी ने गैर कांग्रेसवाद का नारा दिया था और देश के समाजवादियों ने उस पर काम किया था। आज की तारीख में गैर भाजपावाद के नारे की जरूरत है। भाजपा को अराजक नीतियों के खिलाफ लड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि आज डा. लोहिया जिंदा होते तो सियासत की दिशा व दशा बदली नजर आती।

इस मौके पर नदीम, पप्पू, राजकुमारी, गुलशन, सोहन, जवाहर, प्रियांशू,सुरेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता.....

चिकित्सा ने जांच के बाद बताया कि उनकी एक आर्टिलरी 99 प्रतिशत तक ब्लॉक है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने दिल्ली के एम्स में अपनी जांच कराई। जहां एम्स के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर राकेश यादव ने उनकी जांच की। इसके बाद उनकी बाईपास सर्जरी की गई तथा 99 प्रतिशत तक ब्लॉक आर्टिलरी को चेंज किया गया।

एम्स में बाईपास सर्जरी होने के बाद राजकुमार भाटी स्वस्थ है। समाजवादी पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने उनके पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। वही शुभचिंतक भी उनके जल्द स्वास्थ्य होने की कामना कर रहे हैं।

पति के साथ मिलकर....

नैन वर्मा ने 22 सितंबर 2023 को थाना सेक्टर 113 में उसके खिलाफ एक शिकायती पत्र दिया। पुलिस के बुलाने पर वह थाने पहुंचा जहां उसने सारी चैट पुलिसकर्मियों को दिखाई। जांच के दौरान नैन वर्मा द्वारा दिया गया शिकायत की पत्र झूठा पाया गया। पुलिस की उपस्थिति में नैन वर्मा ने आपसी सहमति के आधार पर समझौता कर लिया। उज्वल ने बताया कि नैन वर्मा अपने पति के साथ मिलकर आए दिन झूठी मनगढ़ंत कहानियां बनाकर उसके खिलाफ शिकायती पत्र देते हैं जिससे वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा है। नैना वर्मा झूठ शिकायती पत्रों को दिखाकर उससे धनराशि ऐंठना चाह रही है।

उज्जवल के मुताबिक इस दौरान उसे जानकारी मिली कि नैना वर्मा ने आनंद व दो अन्य अज्ञात व्यक्ति को साथ मिलकर पूर्व में भी अपना सही नाम छुपाते हुए अरुण जैन नामक एक व्यक्ति को ब्लैकमेल कर उसे 100000 रूपये लिए थे। इस संबंध में अरुण जैन ने थाना इंदिरापुरम में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस नैना वर्मा, सुभाष वर्मा व किरण के खिलाफ जांच कर रही है।

नौकरी लगाने के नाम पर ....

उसे बताया कि उसकी बहन पायल का बहुत अच्छा जुगाड़ है और वह उसके पुत्र नितिन की खाद्य वितरण विभाग में नौकरी लगवा सकता है। नितिन में उसकी बहन पायल पर विश्वास करते हुए उसने अपने बेटे की नौकरी लगवाने के लिए गहने गिरवी रखकर उन्हें 3.30 लाख रुपए नकद व डेढ़ लाख रुपये अपने खाते से ट्रांसफर कर दिए। पैसे लेने के बाद दोनों बहन भाई जल्द ही नौकरी लगवाने का आश्वासन देने लगे काफी समय बीतने के बाद जब उनके बेटे की नौकरी नहीं लगी तो उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे। इस पर उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत पायल ने उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और गाली-गलौज की।

पीड़िता के मुताबिक 12 अप्रैल 2024 को नितिन व उसकी बहनचुपचाप उनके पड़ोस से मकान खाली कर चले गए इसके बाद उन्होंने कई बार उनके फोन नंबर पर संपर्क किया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया पीड़िता ने आशंका जताई है कि नितिन व पायल किसी भी दिन उनके बच्चों के साथ कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। उन्होंने इसकी शिकायत थाना दादरी पुलिस से की लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद उन्होंने रिपोर्ट दर्ज करने के लिए न्यायालय का सहारा लिया। थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज हुआ है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0 : पी0आर0वाई0जे0-सिग-408-2024-25 दिनांक : 09.10.2024

ई-निविदा सूचना

वरीष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 05.11.2024 को 15:00 बजे** तक आमन्त्रित की जाती है।

निविदा संख्या : पी0आर0वाई0जे0-सिग-408-2024-2025	
अनुमानित मूल्य (रूपये में) : 5922712.33/- (उनसठ लाख बाईस हज़ार सात सौ बारह रूपए और तैंतीस पैसा मात्र)	
कार्य का विवरण : "प्रयागराज मण्डल के कौरारा से गाज़ियाबाद सेक्शन के लिए सेक्शनल दूरसंचार के रखरखाव का अनुबंध।	
निविदा प्रतिभूति/धरोहर राशि (रूपये में) : 118500.00	कार्य समापन की अवधि : 12 माह
निविदा बंद होने/खुलने की तिथि : 05.11.2024	
निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।	
बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं में निर्धारित उपरोक्त धरोहर राशि निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जाएगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतः अस्वीकृत कर दी जाएगी।	
निविदा खुलने का समय तिथि एवं स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि से 15:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रबन्धक प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उपरोक्त किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस पर खोली जाएगी।	
निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।	
निविदा सम्बंधित रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1781/24 (C)	

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 24/67 दिनांकः 01.10.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	50241368	लीड एसिड सेकेंडरी सेल 80 एएच	5347 नग	21.10.2024
2	20243651A	बुल गियर (72 टीथ) फॉर डब्ल्यू ए पी-7 लोकोज	54 नग	23.10.2024
3	20243659	सेट ऑफ शाफ्ट अस्सेम्बल्ड डमी पीनियन	83 सेट	22.10.2024

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 1777/24 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

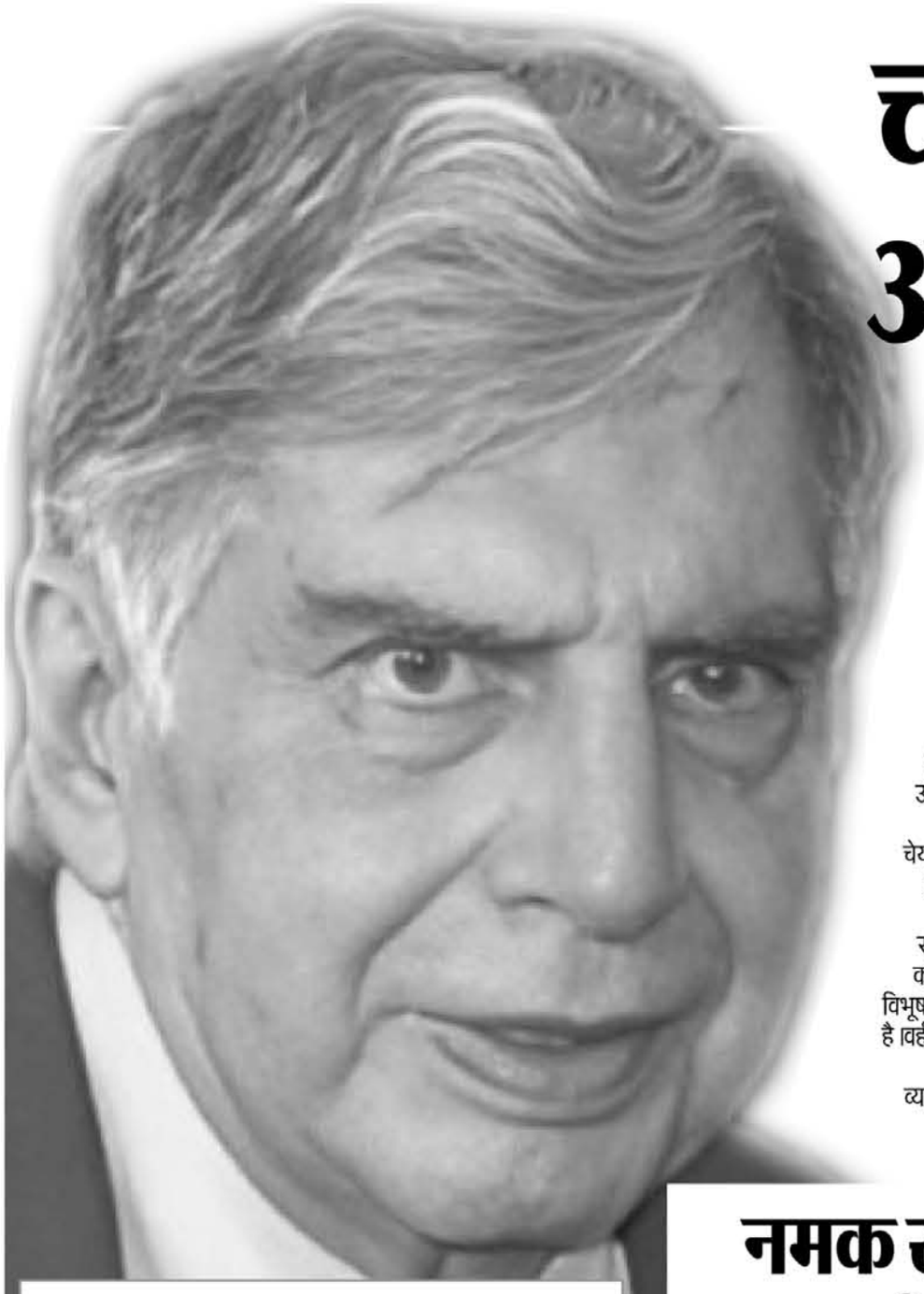

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला रतन टाटा !

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व?यक्ति थे, जिन?होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है ।तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है । उन?हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है ।उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा ? करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं । टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं ।उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष?य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम?मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं । रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं । उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं ।रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन?हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है । नोएल टाटा के तीन बच?चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं । यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं । टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया । वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे ।रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में,भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया । पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है ।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे । उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया । उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया ।

नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे । उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है । उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं ।

प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है । रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है । व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है ।रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे । उन्होंने मैनेजमेंट की मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया । उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया । आज जब नैतिकता का स्तर गिर रहा है, उस दौर में भी रतन टाटा व्यक्तिगत स्तर पर मॉरल वैल्यूज को थामे रहे । सही मायनों में रतन टाटा देश के उद्योग का प्रतिनिधित्व करते थे । हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उनके भरोसे, उत्कृष्टता और नवीनता के मूल्यों को अपनाते हुए प्रयास कर रहे हैं, यही रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।वे भारतीय उद्योग के आधुनिकीकरण से गहराई से जुड़े थे । और इससे भी अधिक इसके वैश्वीकरण के साथ जुड़े थे । बड़ी संपत्ति होने के बावजूद वे अपनी साधारण जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के जरिये परोपकारी कार्यों के लिए चर्चा में रहे । टाटा संस में अपने नेतृत्व के दौरान, उन्होंने टेटली, कोरस और जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों का अधिग्रहण करके टाटा समूह को मुख्य रूप से घरेलू कंपनी से वैश्विक पावरहाउस में बदल दिया. उनके नेतृत्व में, टाटा वास्तव में 100 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वैश्विक व्यापार साम्राज्य में विकसित हुआ. दिसंबर 2012 में, टाटा अपने पद से रिटायर हो गए और उनकी जगह पर साइरस मिस्त्री ने पदभार संभाला, जिनका 2022 में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था ।बुढापे के बावजूद रतन टाटा जीवन पर्यंत बेहद साधारण जीवन जीते रहे ।उनकी सादगी स्वयं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी एक हवाई यात्रा के दौरान महसूस की थी ।ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन ।

10 बातों से जानिए कितने खास थे रतन टाटा

टाटा समूह के मानद चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया । वह 86 वर्ष के थे । उनके पास अरबों की संपत्ति थीं लेकिन वे आम इंसान की तरह जमीन से जुड़े रहकर कार्य करते थे । 28 दिसंबर को रतन टाटा का जन्मदिन रहता है । रतन टाटा से जुड़े 10 किस्से...

1. ऑनलाइन नफरत बंद करों : जी हां, रतन टाटा ने अपने इंस्टा हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की थी । जिस पर फैंस का बहुत सारा प्यार मिला । लेकिन एक कमेंट था जिस पर रतन टाटा ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए उस नफरत को उसी वक्त खत्म कर दिया । दरअसल, रतन टाटा ने एक फोटो अपलोड किया था जिस पर एक महिला ने कमेंट किया 'छोट' । इसके बाद यूजर्स महिला पर भड़क गया । तब रतन टाटा ने कहा, 'हम सभी में एक छोटा बच्चा होता है कृपा कर महिला से सम?मान से बात करें ।'

2. कोविड-19 में मदद के लिए हाथ बढ़ाया : कोविड-19 के शुरूआत में इस महामारी से निपटने के लिए रतन टाटा ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया था । उन्होंने 500 करोड़ का फंड हेल्थ केयर वर्कस के लिए निकाला था । ताकि जरूरतमंद सामानों की पूर्ति की जा सकें । कोरोना काल का वक?त बेहद खतरनाक रहा । लेकिन फिर भी रतन टाटा कंपनी के एम्प्लोयी से मिलने मुंबई से पुणे मिलने गए । करीब 2 साल से वह कर्मचारी बीमारी था । यह किस्सा 5जी जनवरी 2021 का है ।

3. जब रतन टाटा ने की अपील : रतन टाटा को कुत्तों से बेहद प्यार था । उन्होंने कुत्तों के लिए टाटा ग्रुप के ग्लोबल हेडक्वार्टर में एक लग्जरी हाउस बनवाया था । सोशल मीडिया पर ताज होटल के कर्मचारी की फोटो को सोशल मीडिया पर रतन टाटा ने शेयर किया और लिखा 'इस मानसून में आवारा कुत्तों के साथ राहत के पल साझा करना । ताज का यह कर्मचारी इतना दयालु था कि उसने कुत्ते के साथ अपना छाता साझा किया,जबकि भारी बारिश हो रही थी । मुंबई की भागदौड़ भरी जिंदगी में दिल को छू लेने वाला पल ।' वे सोशल मीडिया यूजर्स से भी अपील करते हैं कि अगर उन्हें कोई भी कुत्ता बुरी हालात में दिखता है तो उसकी मदद करें ।

4. अप्रैल 2020 में रतन टाटा के नाम से एक मीसलीडिंग जानकारी देशभर में वायरल हो गई थी । इसके बाद उन्होंने बेहद प्यार और सरल भाषा में कहा कि आर्टिकल में कुछ भी गलत नहीं है लेकिन आर्टिकल में दिए गए फैक्ट की जांच की आवश्यकता है । मैंने ऐसा कभी नहीं कहा था ।

5. साल 2012 में रतन टाटा ने कुपोषण का शिकार हो रहे बच्चों की काफी मदद की थी । उनका कहना था कि कुपोषित हमारे देश के बच्चों को कितना प्रभावित करता है । अपने सटीक शब्दों में, उन्होंने कहा, 'मेरा सबसे दृश्यमान लक्ष्य भारत में बच्चों और गर्भवती माताओं के लिए पोषण में कुछ करना है । क्योंकि इससे आने वाले वर्षों में हमारी आबादी के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में बदलाव आएगा ।'

6. पढ़ाई में आर्थिक सहायता : रतन टाटा की ओर से कई छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है । रतन टाटा स?कॉलरशिप से टाटा स्कॉलरशिप तक विभिन्न तरह से छात्रवृत्ति का लाभ ले सकते हैं ।

7. जब टाटा ने इकोनॉमी क्लास चुना : रतन टाटा जनहितैषी थे । किसी भी कार्य को करने के पीछे उनका अलग ही मकसद होता था । इतना ही नहीं वे 2016 में उनका फोटो इंटरनेट पर वायरल हुआ था । हालांकि वह पिक्चर गोवा 2014 का था जब उन्होंने वह आम इंसान के साथ बैठकर इकॉनामी क्लास में गोवा का सफर किया ।

8. 26/11 की घटना आज भी स्मृति पटेल पर उभरती है तो रूह कांप जाती है । उस दौरान रतन टाटा ने करीब 80 प्रभावित कर्मचारियों के परिवारों से व्यक्तिगत मिलें । उन्हें मुआवजा भी दिया और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठाया । इतना ही नहीं रतन टाटा ने उनके परिवार और आश्रितों को उनके शेष जीवन के लिए कई सारी सुविधाएं प्रदान की ।

9. अपने ड्राइवर के साथ बैठते थे : जी हां, बड़े लोगों की खासियत होती है कि वे ड्राइवर के साथ नहीं बैठते हैं लेकिन रतन टाटा अपने ड्राइवर के साथ बैठते थे । इतना ही नहीं कई बार वे खुद भी गाड़ी चलाते थे और राइड का आनंद लेते थे ।

10. जब अपनी ही कंपनी में किया काम : रतन टाटा ने अपनी ही कंपनी में ब्लू कॉलर कर्मचारी के रूप में काम किया । 1971 में टाटा स्टील, जमशेदपुर में ब्लू कॉलर कर्मचारी के रूप में अपने काम की शुरूआत की । इससे पहले उनके पास में न्यूयॉर्क से आईबीएम कपंनी का ऑफर भी था । लेकिन उन्होंने अपनी कंपनी में काम करना पसंद किया ।

नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक के कारोबार को देश-विदेश में नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने वाले भारत के अनमोल रतन थे टाटा

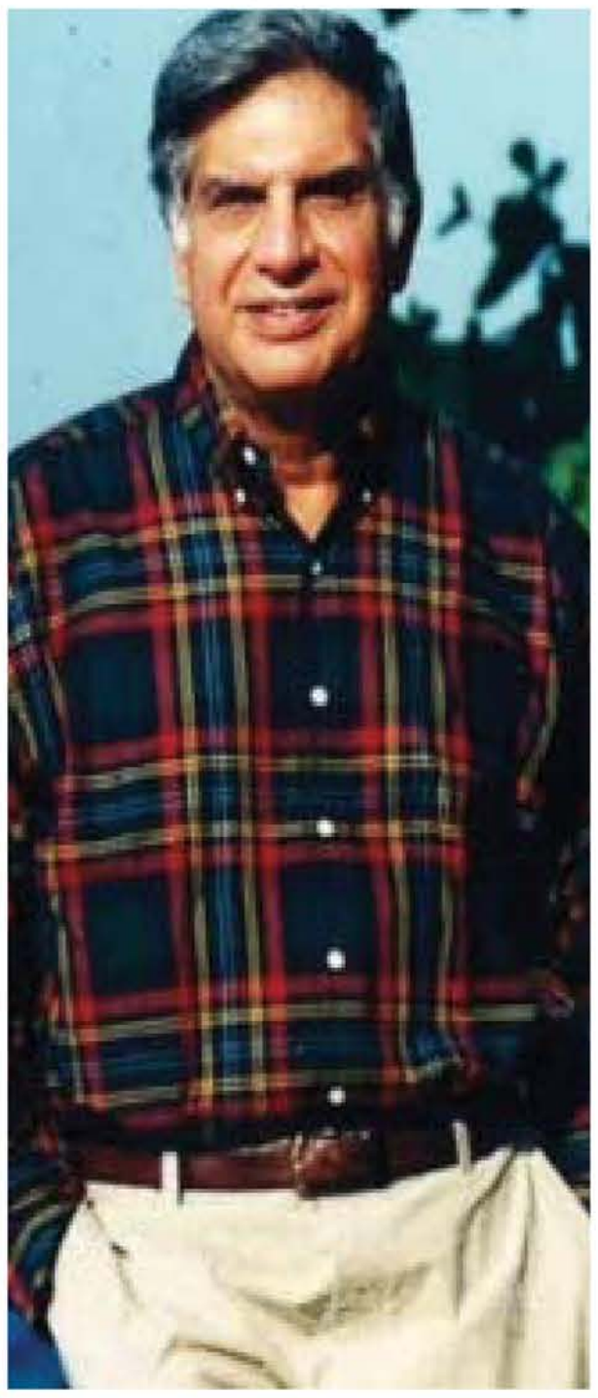

भारत के रतन कहे जाने वाले उद्योगपति रतन नवल टाटा का बुधवार रात को 86 वर्ष की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया । 'पद्म विभूषण' से सम्मानित 86 वर्षीय टाटा पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे । उनके निधन की खबर सामने आते ही देश में शोक की लहर दौड़ गयी क्योंकि वह हर भारतीय के दिल पर राज करते थे । नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक के कारोबार को देश-विदेश में नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले रतन टाटा को राजनीतिक जगत, उद्योग जगत, खेल जगत, सिनेमा जगत की हस्तियों की ओर से तो श्रद्धांजलि दी ही जा रही है साथ ही आम आदमी भी सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से रतन टाटा को श्रद्धांजलि दे रहा है ।

रतन टाटा दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में से एक थे, फिर भी वह कभी अरबपतियों की किसी सूची में नजर नहीं आए । उनके पास 30 से ज्यादा कंपनियां थीं जो छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली थीं, इसके बावजूद वह एक सादगीपूर्ण जीवन जीते थे । सरल व्यक्तित्व के धनी टाटा एक कॉरपोरेट दिग्गज थे, जिन्होंने अपनी शालीनता और ईमानदारी के बूते एक अलग तरह की छवि बनाई थी । रतन टाटा 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी.एस. की डिग्री प्राप्त करने के बाद पारिवारिक कंपनी में शामिल हो गए । उन्होंने शुरुआत में एक कंपनी में काम किया और टाटा समूह के कई व्यवसायों में अनुभव प्राप्त किया, जिसके बाद 1971 में उन्हें (समूह की एक फर्म) 'नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी' का प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया । एक दशक बाद वह टाटा इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बने और 1991 में अपने चाचा जेआरडी टाटा से टाटा समूह के चेयरमैन का पदभार संभाला । जेआरडी टाटा पांच दशक से भी अधिक समय से इस पद पर थे । यह वह वर्ष था जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को खोला और 1868 में कपड़ा और व्यापारिक छोटी फर्म के रूप में शुरुआत करने वाले टाटा समूह ने शीघ्र ही खुद को एक ''वैश्विक महाशक्ति'' में बदल दिया, जिसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र और एयरलाइन तक फैला गया था । रतन टाटा दो दशक से अधिक समय तक समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी 'टाटा संस' के चेयरमैन रहे और इस दौरान समूह ने तेजी से विस्तार करते हुए वर्ष 2000 में लंदन स्थित टेटली टी को 43.13 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदा, वर्ष 2004 में दक्षिण कोरिया की देवू मोटर्स के ट्रक-निर्माण परिचालन को 10.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदा, एंग्लो-डच स्टील निर्माता कोरस समूह को 11 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदा और फोर्ड मोटर कंपनी से मशहूर ब्रिटिश कार ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर को 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदा । भारत के सबसे सफल व्यवसायियों में से एक होने के साथ-साथ, वह अपनी परोपकारी गतिविधियों के लिए भी जाने जाते थे । परोपकार में उनकी व्यक्तिगत भागीदारी बहुत पहले ही शुरू हो गई थी । वर्ष 1970 के दशक में, उन्होंने आगा खान अस्पताल और मेडिकल कॉलेज परियोजना की शुरुआत की, जिसने भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक की नींव रखी थी ।जहां तक रतन टाटा को दी जा रही श्रद्धांजलि की बात है तो आपको बता दें कि भारत के शीर्ष उद्योगपतियों ने दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है । रिलायंस के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने रतन टाटा को भारत के सबसे प्रतिष्ठित और परोपकारी बेटों में से एक बताया । अंबानी के अलावा अरबपति गौतम अदाणी और ऑटो क्षेत्र के दिग्गज आनंद महिंद्रा ने भी टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया । अंबानी ने अपने शोक संदेश में कहा, ''यह भारत और भारतीय उद्योग जगत के लिए बहुत दुखद दिन है । रतन टाटा का निधन न केवल टाटा समूह के लिए बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए बड़ी क्षति है ।'' उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत स्तर पर, रतन टाटा के निधन से मुझे बहुत दुख हुआ है क्योंकि मैंने एक प्रिय मित्र खो दिया है ।''

रतन टाटा भारत के उद्योगों के रत्न

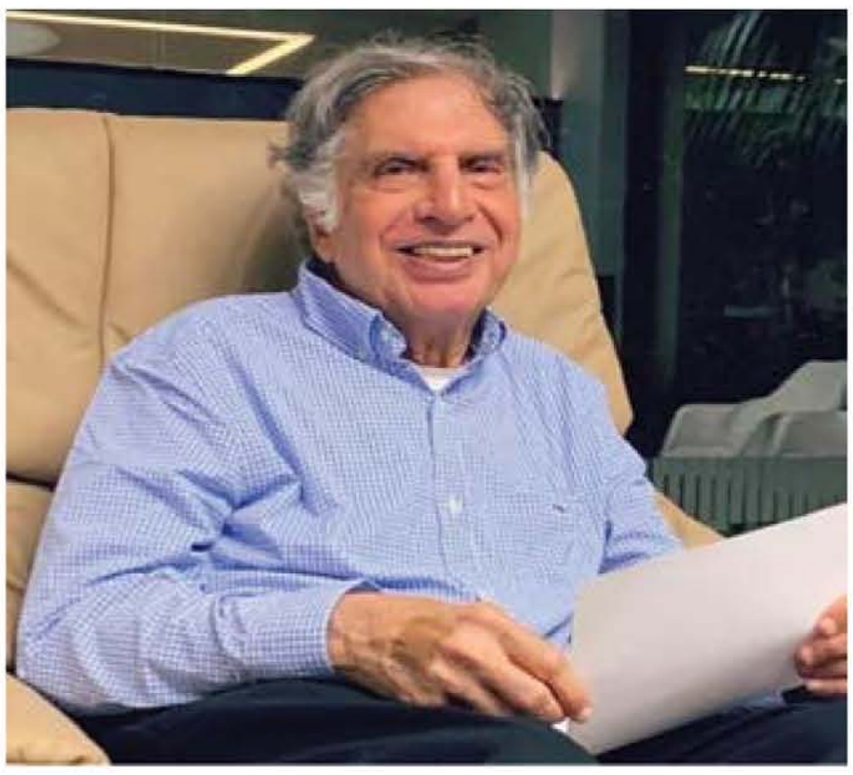

मुंबई के ब्रिज कैंडी हॉस्पिटल में 86वर्ष की उम्र में रतन टाटा का निधन हो गया रतन टाटा के निधन की खबर से लोग काफी ज्यादा दुखी हैं । रतन टाटा न केवल अपने बिजनस के लिए बल्कि अपने व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते थे । दूसरों की मदद करते रहने की आदत की वजह से लोग टाटा संस के चेयरमैन की इतनी ज्यादा इज्जत करते हैं । रतन टाटा से आप सिर्फ बिजनस ही नहीं बल्कि जिंदगी जीने का तरीका भी सीख सकते हैं । अगर आपने रतन टाटा द्वारा कही गई इन बातों पर अमल कर लिया, तो यकीन मानिए आपको सफलता का मुकाम हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता । उतार-चढ़ाव को स्वीकार करें रतन टाटा कहते थे कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव जरूरी है । ईसीजी में एक सीधी रेखा का मतलब है कि हम जीवित नहीं है । रतन टाटा के इस कोट के मुताबिक आपको उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने की कोशिश करनी चाहिए । असफलता का शोक मनाने की जगह सीख लेकर आगे बढ़िए । खुद पर होना चाहिए भरोसा रतन टाटा का कहना था कि वो सही फैसले लेने में विश्वास नहीं करते, वो फैसले लेते हैं और फिर उन्हें सही साबित कर देते हैं । इस कोट के मुताबिक आपको खुद पर भरोसा होना चाहिए । अगर आप अपने लिए गए फैसलों को लेकर कॉन्फिडेंट हैं, तो आपको आज नहीं तो कल सफलता जरूर मिलेगी । सबको साथ लेकर चलें रतन टाटा कहते थे कि अगर आप तेजी से चलना चाहते हैं तो आपको अकेले चलकर सफर तय करना चाहिए । लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं तो आपको सभी के साथ मिलकर सफर तय करने की कोशिश करनी चाहिए । चुनौती को मौके में बदलें रतन टाटा का कहना था कि अगर लोग आपके ऊपर पत्थर मारते हैं, तो आपको उन पत्थरों का इस्तेमाल अपना महल बनाने के लिए कर लेना चाहिए । कुल मिलाकर आपको अपने सफलता के सफर के दौरान दिखाई देने वाली बाधाओं या फिर चुनौतियों को अवसर में बदल देना चाहिए । आगे आने वाली कई पीढ़ियां रतन टाटा के इन अनमोल विचारों से बहुत कुछ सीख सकती हैं । इस तरह के विचारों पर अमल कर आप न केवल अपने प्रोफेशन में सफलता हासिल करेंगे बल्कि लोगों के प्रेरणादायक भी हैं रतन टाटा भारत के उद्योगों के रत्न के हैं जिन्होंने टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडमेन्टल रिसर्च, टाटा स्टील, टी आई एफ आर जैसे संस्थान को चमकाया है विनम्र श्रद्धांजलि !

बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले में एक जवान शहीद, 13 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान प्रांत में एक आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया, हालांकि मुठभेड़ में फ्रंटियर कोर का एक जवान मारा गया और 13 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में सहायक आयुक्त नवीद आलम ने बताया कि आतंकवादियों ने तीन मोर्चों से झोब के सबकजई क्षेत्र में संयुक्त प्रतिक्रिया केंद्र में घुसने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने भी इमारत में घुसने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षा बलों ने उसे मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में कहा कि हमलावरों को खदेड़ने के लिए चलाए गए अभियान में एक अन्य आतंकवादी भी मारा गया। साथ ही कहा कि फ्रंटियरकोर के एक जवान की जान चली गई, जबकि 11 जवान और दो नागरिक घायल हुए हैं।

अमेरिका की सोने की खदान में फंसे 12 लोग, एक की मौत , 11 को बचाया गया, लिफ्ट खराब होने की जांच शुरु

कोलोराडो। अमेरिका के कोलोराडो में सोने की पूर्व खदान में लिफ्ट खराब हो गई जिसमें 12 लोगों घंटों जमीन के नीचे फंसे गए जिसमें एक शख्स की मौत हो गई, जिससे वहां का स्थानीय प्रशासन में खलबली मच गई। काफी कोशिशों के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि क्रिपल क्रीक शहर के पास स्थित मोली कैथलीन गोल्ड माइन में लिफ्ट नीचे की ओर जा रही थी, लेकिन सतह से करीब 500 फुट नीचे इसमें खराबी आ गई जिसके कारण लिफ्ट में लोग फंस गए और उनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि लिफ्ट में फंसे हुए 12 लोग जमीन से करीब एक हजार फुट नीचे थे। उन्होंने कहा कि अभी तक पता नहीं चल पाया है कि लिफ्ट कैसे खराब हुई। अधिकारी ने मृतकों की पहचान नहीं बताई है। उन्होंने बताया कि लिफ्ट में मौजूद 11 लोगों को बचा लिया गया जिसमें से चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। यह खदान 1800 के दशक में खुली और 1961 में बंद हो गई, लेकिन अब भी इसका पर्यटन के लिए इस्तेमाल होता है और पर्यटकों को खदान के अंदर घूमने की सुविधा दी जाती है। इस दौरान पर्यटक खदान में एक हजार फुट नीचे तक जा सकते हैं।

मिल्टन तूफान से 16 लोगों की मौत, बवंडर और बाढ़ से 120 घर तबाह, 30 लाख घरों-ऑफिसों में बिजली नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका में मिल्टन तूफान से आए बवंडर और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। हरिकेन की वजह से फ्लोरिडा में अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, करीब 30 लाख घरों और ऑफिसों में बिजली नहीं है। तूफान की वजह से 120 घर तबाह हो चुके हैं। सेंट्रल फ्लोरिडा में मिल्टन की वजह से 10-15 इंच तक की बारिश हुई, जिसकी वजह से बाढ़ आ गई। अमेरिकी कोस्टगार्ड ने गुरुवार को मैक्सिको की खाड़ी में फंसे एक शख्स को रेस्क्यू किया। वह एक लाइफ जैकेट और कूलर के भरोसे पानी में अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा था। मिल्टन फ्लोरिडा से टकराने वाला साल का तीसरा तूफान है। गुरुवार को यह फ्लोरिडा के सिएस्टा में समुद्री तट से टकराया। इससे पहले ये कैटेगरी 5 का तूफान था। टकराते वक्त ये कैटेगरी 3 का हो गया था। तूफान की वजह से अमेरिका के नेशनल वेदर सर्विस ने 126 बवंडरों की वॉर्निंग जारी की थी।

नसरल्लाह की मौत के बाद अब इजराइल की नजर हिज्बुल्लाह के टॉप तीन कमांडर पर, कहां छिपे हैं तीनों किसी को नहीं है जानकारी, बड़े हमले की कर रहे तैयारी

येरुशलम,(ईएमएस)। इजराइल ने लगातार हिज्बुल्लाह पर हमले कर रहा है। हसन नसरल्लाह, हाशिम सफीद्दीन और फौद शुक्र सहित अब तक हिज्बुल्लाह के 11 टॉप कमांडर ढेर हो चुके हैं। इस बीच अब लड़ाकों की उम्मीदें हिज्बुल्लाह के तीन टॉप कमांडर्स पर टिकी हुई हैं। ये टॉप कमांडर कहां हैं और इनकी प्लानिंग क्या है, ये किसी को पता नहीं है। यह तीन कमांडर्स नईम कासिम, तलाल हामिह और अबु अली रिदा हैं। शेख नईम कासिम को 1991 में तब हिज्बुल्लाह के जनरल सेक्रेट्री अब्बास अल-मुसावी ने डिप्टी लीडर बनाया था। अगले ही साल अल मुसावी के काफिले को 1992 में इजराइली अपाचे हेलिकॉप्टर ने निशाना बनाया था, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद नसरल्लाह ने कमान संभाली, लेकिन नईम कासिम अपनी भूमिका में बने रहे। तलाल हामिह की बात करें तो को तलाल होस्नी हामिह, इस्मत मजरानी या अबू जाफर के नाम से भी जाना जाता है। वह हिज्बुल्लाह के बाहरी संचालन का इंचार्ज है, जिसे यूनिट 910 के नाम से भी जाना जाता है, जो दुनिया भर में गुप्त अभियानों की देखरेख करता है। तलाल हामिह को हिज्बुल्लाह की पहली पीढ़ी का हिस्सा माना जाता है, जो 1980 के दशक के मध्य में संगठन से जुड़े। तलाल उन कुछ लोगों में शामिल हैं, जिनका हसन नसरल्लाह से सीधा जुड़ाव था। अबु अली रिदा हिज्बुल्लाह की बदर डिवीजन का कमांडर है। इजरायल की सेना उसका पता लगाने के लिए लगातार ऑपरेशन चला रही है, लेकिन उसके ठिकाने की किसी को जानकारी नही है। बताया जा रहा है कि हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडर पर एक के बाद एक होते हमले को देखते हुए, वह किसी अज्ञात ठिकाने पर छिपा हुआ है। हिज्बुल्लाह इजराइल पर जोरदार हमले की तैयारी में जुटा है।

चीन की एनाकोंडा रणनीति से बिलबिलाने लगा ताइवान

ताईपे। जिस तरह एनाकोंडा धीरे-धीरे अपने शिकार को जकड़ता है, और उसकी सांस की नली को दबाकर जीवन को खत्म कर देता है, वैसे ही चीन, ताइवान को आतंकित करने, उसका गला घोंटने के लिए एक मल्टी डायमेंशनल रणनीति बना रहा है। चीन इस रणनीति को तब तक चलाएगा, जब तक कि ताइवान आत्मसमर्पण न कर दे। ताइवान के आकलन के अनुसार, चीनी सेनाएं धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से द्वीप देश के चारों ओर अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। चीन ने ताइवान पर कब्जे के लिए एनाकोंडा रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है। यह स्वशासित ताइवान को घेरने की चीन की सबसे नई रणनीतिक है। इसका पहला लक्ष्य ताइवान की सेना को थकाना है। अमेजन के वर्षावन में पाए जाने वाले एनाकोंडा अपने छलावरण और धैर्य के लिए जानें जाते हैं। वे अक्सर घंटों या दिनों तक इंतजार करते हैं जब तक कि अनजान शिकार हमला करने की सीमा में न आ जाए। जब शिकार उसकी पहुंच में होता है, तो वह तेजी से हमला करता है। यह तुरंत अपने शिकार के चारों ओर कुंडली बनाकर उसे जकड़ लेता है, जब तक कि शिकार दम घुटने से मर न जाए ।ताइवान के नौसेना कमांडर एडमिरल तांग हुआ ने कहा, पीएलए (चीनी सेना) ताइवान को निचोड़ने के लिए एनाकोंडा रणनीति का उपयोग कर रहा है। एक इंटरव्यू में एडमिरल तांग ने चेतावनी दी कि चीनी सेनाएं धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से उनके देश के चारों ओर अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं।

प्योंगेयोंग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी किम जू एई अपनी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिय के 79 वें स्थापना दिवस पर हुए कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

अब अमेरिका में बंटेगी फ्री की रेवड़ी ! ट्रंप का बिजली बिल आधा करने का ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी अभियान के दौरान बड़ा ऐलान किया है उन्होंने कहा कि वह सत्ता में वापस आने पर अमेरिका के नागरिकों का बिजली का बिल आधा कर देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि अमेरिका में भी डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि वह भी बिजली का बिल आधा कर देंगे। फ्री की रेवड़ी अब अमेरिका पहुंच गई है।

केजरीवाल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि फ्री की रेवड़ी अब अमेरिका भी पहुंच गई है। उन्होंने मजाकिया लहजे में ट्रंप के इस वादे को अपनी नीतियों की तरह बताया जिसमें उन्होंने दिल्ली में बिजली के बिलों में बड़ी राहत दी थी।

पन्नू ने भारत के खिलाफ फिर उगला जहर, भारत के टुकड़े करने की दी धमकी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी पन्नू गुरपतवंत सिंह ने एक बार फिर भारत को गीधड़ भभकी दी है। उसे वीडियो जारी करके कहा है कि पंजाब के अलावा दूसरे राज्यों में भी आंदोलन चलाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पन्नू ने कहा कि एसजेएफ का मिशन 2024 में वन इंडिया को 2047 तक नन इंडिया करना है। खालिस्तानी ने यह वीडियो कनाडा के विदेश मामलों के डिप्टी मिनिस्ट डेविड मोरिसन के ताजा बयान के बाद जारी किया है। मोरिसन ने बीते दिनों कहा था, कनाडा की नीति एकदम साफ है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत एक है और यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया है।

खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस(एसजेएफ) पंजाब से अलग खालिस्तान स्टेट बनाने की मांग कर रहा है और इसे लेकर वह कथित तौर पर ग्लोबल रेफरेंडम तैयार करने में जुटा है। हालांकि, पन्नू की इस मांग का पंजाब के भीतर शायद ही कोई समर्थन करता हो। मालूम हो कि गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहता है और वकालत करता है। उसने अपने वीडियो में जम्मू-कश्मीर, असम, मणिपुर और नागालैंड में पूर्ण आजादी आंदोलन चलाने की धमकी दी, जैसा की पंजाब में करने का प्रयास है।

खालिस्तानी पन्नू ने अपने वीडियो में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी गुहार लगाई। उसने कहा कि जिनपिंग अपनी सेना को आदेश दें और अरुणाचल प्रदेश को वापस लेने का यही समय है। उसने यह झूठा दावा भी किया कि अरुणाचल तो चीन की सीमा का हिस्सा है। पन्नू ने कहा कि एसजेएफ कनाडाई और अमेरिकी नियमों से मिलने वाली सुरक्षा का इस्तेमाल करता रहेगा। उसने कहा कि भारत की संप्रभुता को खत्म करने के प्रयास जारी रहेंगे।

विश्वास की बुनियाद पर चलती हैं अदालतें : सीजेआई चंद्रचूड़

थिम्फू (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अदालतों की बुनियाद जनता के भरोसे पर टिकी हुई है। इसलिए इसकी विश्वनीयता और जनता का विश्वास बना रहना बेहद जरुरी है। चूंकि जज जनता द्वारा चुने नहीं जाते हैं इसलिए उनकी विश्वसनीयता और वैधता के लिए जनता का विश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से ही अदालतों को अपना नैतिक अधिकार प्राप्त होता है। भूटान के जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआई ने ये बातें कही हैं। सीजेआई ने कहा, लोकतांत्रिक सिद्धांत में जवाबदेही आमतौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़ी होती है। निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे अपने मतदाताओं और विधायी संस्थानों के प्रति जवाबदेह होते हैं। कुल मिलाकर वे लोकप्रिय जनादेश द्वारा चुने जाते हैं। दूसरी ओर न्यायालय और न्यायाधीश संविधान या वैधानिक कानूनों के जनादेश से अपनी शक्तियां प्राप्त करते हैं।

चंद्रचूड़ ने कहा, न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालती प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में नतीजे दुर्लभ होते हैं। इसलिए न केवल संवैधानिक परिणाम बल्कि संवैधानिक यात्राएं भी मायने रखती हैं। ओपन कोर्ट सुलभ अदालतें मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रौद्योगिकी और सरल प्रक्रियाएं इन यात्राओं की कुंजी होंगी।सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अपने नागरिकों के दैनिक जीवन की समस्याओं से निपटते हैं। सीजेआई ने कहा, उस भरोसे को पूरा करने के लिए हमें उनके जूते में अपने पैर रखकर चलना चाहिए। उनकी वास्तविकताओं को समझना चाहिए और उनके अस्तित्व में समाधान खोजना चाहिए।सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि औपनिवेशिक संरचनाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की पीड़ा से उभरने के बाद भारत में अदालतें सार्वजनिक धारणा के मामले में औपनिवेशिक बोझ से तुरंत मुक्त नहीं हुईं। भारतीय संविधान ने स्वतंत्रता और संप्रभु संस्थानों के एक नए युग की शुरुआत की, लेकिन यह बदलाव हमारी कानूनी प्रक्रियाओं और प्रथाओं में तुरंत परिलक्षित नहीं हुआ।

पुतिन की बढ़ी टेंशन : यूक्रेन को बालाकोट वाला लड़ाकू विमान देगा फ्रांस

पेरिस। फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा कि मिराज 2000 को सबसे पहले नए इलेक्ट्रॉनिक सेल्फ डिफेंस उपकरणों से लैस करने के साथ-साथ उनमें कई अन्य गुप्त मोडिफिकेशन भी किए जाएंगे। इन मोडिफिकेशन के कारण उन्हें हवा से जमीन पर मार करने वाले मिशनों में उड़ान भरने में सहूलियतें मिलेंगी। यह काम दक्षिण-पश्चिम फ्रांस के कैजॉक्स में किया जाएगा। इस बीच, लेकोर्नू ने कहा कि यूक्रेनी पायलटों और मैकेनिकों का प्रशिक्षण जारी है। इस वर्ष जून में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने यूक्रेन को मिराज 2000-5 लड़ाकू विमानों देने का का ऐलान किया था। हालांकि, इस दौरान उन्होंने इन लड़ाकू विमानों की संख्या को लेकर कुछ नहीं कहा था। जब यूक्रेन को सेकेंड हैंड मिराज 2000 प्रदान किए जाने की अफवाहें पहली बार सामने आईं, तो यह स्पष्ट नहीं था कि ये विमान वर्तमान में फ्रांसीसी वायु सेना में शामिल आधुनिक मिराज 2000-5 एफ वेरिएंट होंगे या फिर पुराने मिराज 2000सी वेरिएंट। फ्रांस ने पुराने मिराज 2000सी को जून 2022 में रिटायर कर दिया था। फ्रांस ने यूक्रेन को डसॉल्ट मिराज 2000 लड़ाकू विमान सौंपने का ऐलान किया है। यह वही लड़ाकू विमान है, जिससे भारत ने 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। मिराज-2000 लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तानी रडार से बचने के लिए जमीन के काफी करीब उड़ान भरी थी और हमला कर वापस लौट आए थे। ऐसे में डर जताया जा रहा है कि यूक्रेन भी इन लड़ाकू विमानों की मदद से रूसी सैन्य अड्डों पर एयरस्ट्राइक की योजना बना सकता है। यूक्रेन को मिलने वाले मिराज-2000 विमान अपग्रेडेड होंगे और उनकी मारक क्षमता भी काफी ज्यादा होगी ।फ्रांस से मिलने वाला मिराज 2000 लड़ाकू विमान 2025 की पहली तिमाही में यूक्रेन पहुंचना शुरू हो जाएगा।

शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया, ब्लैकआउट, जीपीएस सेवाओं में गिरावट

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। अमेरिका नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक गुरुवार को एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया है। तूफान हेलेन और मिल्टन से निपटने के लिए किए जा रहे रिकवरी प्रयासों को यह प्रभावित कर सकता है। एनओएए के अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एसडब्ल्यूपीसी) के मुताबिक मंगलवार को सूर्य से कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) विस्फोट हुआ और गुरुवार सुबह 11:15 बजे (ईएसटी) करीब 1.5 मिलियन मील प्रति घंटे की गति से पृथ्वी पर पहुंचा।

मीडिया रिपोर्ट में एसडब्ल्यूपीसी के हवाले से बताया कि तूफान जी4 स्तर पर पहुंच गया। इसे जी4 जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच के रूप में वर्गीकृत किया गया है। गुरुवार और शुक्रवार को जी4 या उससे अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच प्रभावी रहा। एसडब्ल्यूपीसी, जियोमैग्नेटिक तूफान की स्थितियों को लेकर चेतावनियां और अलर्ट जारी करता है। एनओएए के मुताबिक रेडियो ब्लैकआउट, बिजली ग्रिड पर दबाव और जीपीएस सेवाओं में गिरावट आई है। सीएमई, सूर्य के कोरोना से चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा द्रव्यमान का बहुत बड़ा उत्सर्जन है। जब वे पृथ्वी की ओर आता है, तो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ी हलचल पैदा करता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है। इससे रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती का खतरा बढ़ जाता है।

हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी तेल शिप ओलंपिक स्पिरिट पर किया हमला

- इजराइल-अमेरिका को दिया संदेश, आक्रमण नहीं रुकेंगे तो सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। यमन में हूती विद्रोहियों ने दो बड़े हमलों को अंजाम देकर ग्लोबल कम्यूनिटी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके इन हमलों ने एक बार फिर तेल व्यापार और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर वैश्विक परिदृष्य में चिंता खड़ी कर दी है। पहला हमला अमेरिकी तेल शिप ओर ओलंपिक स्पिरिट पर किया गया। यह जहाज लाल सागर में स्थित था। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए हुती लड़ाकों ने 11 बैलिस्टिक मिसाइलों और दो ड्रोन जहाज पर दागे। इस हमले से जहाज को भारी क्षति हुई है।

इस ऑपरेशन को संयुक्त रूप से हूती की मिसाइल फोर्स, ड्रोन एयर फोर्स, और नौसेना बलों ने मिलकर अंजाम दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला दुश्मन की समुद्री गतिविधियों को नियंत्रित करने और उन्हें चेतावनी देने के उद्देश्य से किया गया था। बता दें कि लाल सागर, एक प्रमुख तेल परिवहन मार्ग है और इस हमले के बाद यह परिवहन मार्ग और ज्यादा अस्थिर हो सकता है।

हूती लड़ाकों ने दूसरा हमला हिंद महासागर में मौजूद सेंट जॉन नामक जहाज पर किया। इस हमले में क्रूज मिसाइल से जहाज पर सीधा हमला किया गया, जिससे वह भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। हूती विद्रोहियों ने इन हमलों के जरिए ये बताने की की कोशिश की है कि उनकी सैन्य शक्ति और समुद्र के बीच युद्ध लड़ने की उनकी क्षमता को कम नहीं आंका जाए साथ ही यह भी बता दिया कि वे अपने दुश्मनों के खिलाफ किसी भी स्थिति में आक्रामक कार्रवाइयां करने को तैयार हैं।

हूती बलों ने इस हमले के बाद ऐलान किया है कि वे इजराइल के खिलाफ अपनी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेंगे। उनका कहना है कि जब तक इजराइल

आक्रमण नहीं रुकता, वे अपनी सैन्य कार्रवाइयों को बंद नहीं करेंगे। वे समुद्री परिचालन क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे और अपने दुश्मनों के खिलाफ हमले जारी रखेंगे। इन हमलों के बाद, अंतरराष्ट्रीय समुदाय विशेष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि ये हमले तेल और व्यापारिक मार्गों पर सीधा असर डालते हैं। लाल सागर और भारतीय महासागर में हुई इन कार्रवाइयों ने समुद्री सुरक्षा पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है।

बांग्लादेश के होश आए ठिकाने, हिंदुओं के हित में ले रहा बड़े फैसले

-यूनुस ने दीं दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को हटाने के बाद कट्टरपंथियों के निशाने पर आए हिंदुओं के खिलाफ जमकर हिंसा हुई। इससे भी मन नहीं भरा तो दुर्गा पूजा के लिए जजिया टैक्स थोप दिया गया। इन फैसलों से बांग्लादेश की पूरी दुनिया में थूथू हो गई। इसके बाद पिछले कुछ दिनों में मोहम्मद यूनुस की सरकार ने कुछ बड़े फैसले लिए हैं। इसके साथ ही, खुद भी देशवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दी हैं।

बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दी हैं। एक संदेश में उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय के प्रमुख धार्मिक त्योहार दुर्गा पूजा के अवसर पर मैं देश के सभी हिंदू नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा केवल हिंदू समुदाय का त्योहार नहीं है, बल्कि यह अब एक सार्वभौमिक त्योहार बन गया है। उन्होंने आगे कहा, हमारा संविधान सभी धर्मों और जातियों के लोगों को समान अधिकारों की गारंटी देता है। उन्होंने कहा, यह देश हम सभी का है। यह देश जाति और धर्म से परे सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित निवास स्थान है।

बांग्लादेश सरकार ने देश में दुर्गा पूजा उत्सव के लिए अतिरिक्त छुट्टियों की घोषणा की। अतिरिक्त छुट्टी की घोषणा अल्पसंख्यक समूह द्वारा 8 सूत्री मांग जारी किए जाने के बाद की गई। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद ने एएनआई को बताया कि परंपरागत रूप से दुर्गा पूजा के लिए बांग्लादेश में एक दिन की छुट्टी होती थी, लेकिन इस बार दो सार्वजनिक अवकाश होंगे और इसे वीकेंड के दो दिनों में जोड़ा जाएगा, इसलिए कुल मिलाकर दुर्गा पूजा के अवसर पर बांग्लादेश में हिंदुओं को चार दिन की छुट्टियां मिल जाएंगी।उन्होंने आगे बताया कि अतिरिक्त छुट्टी को आज जारी किए जाने वाले कार्यकारी आदेश के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। आजाद ने कहा, सरकार ने बांग्लादेश में 5 अगस्त को हुए बदलाव के बाद हाल ही में हुए हमलों से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने का फैसला किया है।

ढाका के निवासी पूजा समारोहों के लिए आशावादी हैं। उन्होंने कहा कि सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सुनिश्चित किया है कि पूजा में कोई दुर्घटना न हो। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुखों के साथ समन्वय देखा जा रहा है, जो पहले से ही सभी स्तरों जैसे कि थाना और क्षेत्रीय स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संदेश दे रहे हैं। वहीं, एक स्थानीय निवासी ने कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार, कानून प्रवर्तन एजेंट और सभी राजनीतिक दल भी पूजा में वॉलेंटियर के रूप में काम करने के लिए आ रहे हैं। दुर्गा पूजा के दौरान कोई अनहोनी न हो जाए, इसके लिए बांग्लादेश की सरकार ने कंट्रोल रूम बनाने का फैसला किया। इसके जरिए ही दुर्गा पूजा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कंट्रोल रूम 10 से 14 अक्टूबर तक बिल्डिंग छह के 14वें तल पर कमरा नंबर 1424 में संचालित होगा। एक वरिष्ठ सहायक सचिव को नियंत्रण कक्ष का प्रभार दिया गया है। इसके साथ ही, लोगों से आग्रह किया गया है कि पूजा उत्सव के दौरान किसी भी तरह से कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने पर वे दिए गए नंबर पर जानकारी दें।

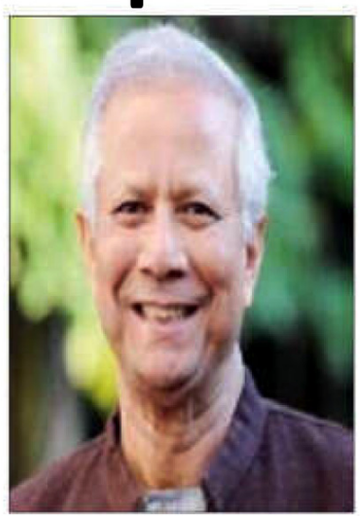

आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था ।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दशहरा

दशहरा (विजयदशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिये इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

रामलीला मंचन

दशहरा अथवा विजयदशमी राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। देश के कोने-कोने में यह विभिन्न रूपों से मनाया जाता है, बल्कि यह उतने ही जोश और उल्लास से दूसरे देशों में भी मनाया जाता जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भाँति यहाँ भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियाँ और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े,

बाँसुरी आदि-आदि जिसके पास जो वाद्य होता है, उसे लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारंपरिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर, लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहां दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोहारंभ की अनुमति ली जाती है। देवी एक कांटों की सेज पर विरजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहते हैं। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की है, जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसके बाद जोगी-बिठाई होती है, इसके बाद भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) और अंत में मुरिया दरबार होता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों,ओडिआ,और आसाम के लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरे बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है।ओडिशा और असम मे 4 दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। त्योहार के दौरान शहर में छोटे मोटे स्टाल भी मिठाईयों से भरे रहते हैं। यहां षष्ठी के दिन दुर्गा देवी का बोधन, आमंत्रण एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। उसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा की पूजा में व्यतीत होते हैं।अष्टमी के दिन महापूजा और बलि भि दि जाति है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं, जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं, व सिंदूर से खेलते हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तदनंतर देवी प्रतिमाओं को बड़े-बड़े ट्रकों में भर कर विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। विसर्जन की यह यात्रा भी बड़ी शोभनीय और दर्शनीय होती है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुलहन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारंपरिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं, जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं।

विजय पर्व

दशहरे का उत्सव शक्ति और शक्ति का समन्वय बताने वाला उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली बना हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए तत्पर रहता है। इस दृष्टि से दशहरे अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव का उत्सव आवश्यक भी है। भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रुधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो कारण से ही दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। यदि कभी युद्ध अनिवार्य ही हो तब शत्रु के आक्रमण की प्रतीक्षा ना कर उस पर हमला कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। भगवान राम के समय से यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक निश्चित है। भगवान राम ने रावण से युद्ध हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। इस पर्व को भगवती के विजया नाम पर भी विजयादशमी कहते हैं। इस दिन भगवान रामचंद्र चौदह वर्ष का वनवास भोगकर तथा रावण का वध कर अयोध्या पहुँचे थे। इसलिए भी इस पर्व को विजयादशमी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। युद्ध करने का प्रसंग न होने पर भी इस काल में राजाओं (महत्वपूर्ण पदों पर पदासीन लोग) को सीमा का उल्लंघन करना चाहिए। दुर्योधन ने पांडवों को जुए में पराजित करके बारह वर्ष के वनवास के साथ तेरहवें वर्ष में अज्ञातवास की शर्त दी थी। तेरहवें वर्ष यदि उनका पता लग जाता तो उन्हें पुनः बारह वर्ष का वनवास भोगना पड़ता। इसी अज्ञातवास में अर्जुन ने अपना धनुष एक शमी वृक्ष पर रखा था तथा स्वयं वृहन्नला वेश में राजा विराट के यहँ नौकरी कर ली थी। जब गोरक्षा के लिए विराट के पुत्र धृष्टद्युम्न ने अर्जुन को अपने साथ लिया, तब अर्जुन ने शमी वृक्ष पर से अपने हथियार उठाकर शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन भगवान रामचंद्रजी के लंका पर चढ़ाई करने के लिए प्रस्थान करते समय शमी वृक्ष ने भगवान की विजय का उद्घोष किया था। विजयकाल में शमी पूजन इसीलिए होता है।

विजयदशमी पर पूजें शमी वृक्ष

भारत में प्रत्येक चेतन व अचेतन को सम्मान देते हुए उनका पूजन भी किया जाता है। इनमें वृक्ष-वनस्पतियाँ भी सम्मिलित हैं। जिस तरह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नीम, ज्येष्ठ पूर्णिमा वट सावित्री व्रत पर वट वृक्ष, सोमवती अमावस्या पर तुलसी, पीपल का, भाद्रमास की कुशग्रहिणी अमावस्या पर कुशा का और कार्तिक की आँवला नवमी पर आँवले के वृक्ष के पूजन का महत्व है, उसी प्रकार आश्विन शुक्ल दशमी (विजयदशमी) पर दो विशेष प्रकार की वनस्पतियों के पूजन का महत्व है। इनमें से एक है शमी वृक्ष, जिसका पूजन रावण दहन के बाद करके इसकी पत्तियों को स्वर्ण पत्तियों के रूप में एक-दूसरे को ससम्मान प्रदान किया जाता है। इस परंपरा में विजय उल्लास पर्व की कामना के साथ समृद्धि की कामना का रहस्य छुपा हुआ है। दूसरी वनस्पति है अपराजिता (विष्णु-क्रांता)। यह पौधा अपने नाम के अनुरूप ही पहचान देता है। यह विष्णु को प्रिय है और प्रत्येक परिस्थिति में सहायक बनकर विजय प्रदान करने वाला है। नीले रंग के पुष्प का यह पौधा भारत में सुलभता से उपलब्ध है। घरों में समृद्धि के लिए तुलसी की भाँति इसकी नियमित सेवा की जाती है। आयुर्वेद के अनुसार यह पौधा कफ विकारों को दूर करते हुए मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के अलावा प्रसव पीड़ा निवारण में भी महत्व रखता है। तंत्र शास्त्र में युद्ध अथवा मुकदमेबाजी के मामले में यह उपयोगी है। विजयदशमी को दुर्गा पूजन, अपराजिता पूजन, विजय प्रयाण, शमी पूजन तथा नवरात्र पारण के महान कर्म हैं। क्लाइटोरिसाटरनेटिया डालकुलम प्रजाति का यह पौधा भगवान राम युग के पहले से ही व्यवहार में स्थापित है और विद्वानों ने इसका बहुत महत्व बताया है। विजयदशमी को प्रातःकाल अपराजिता लता का पूजन, अतिविशिष्ट पूजा-प्रार्थना के बाद विसर्जन और धारण आदि से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होते हैं। ऐसी पुराणों में मान्यता हैं।

विजयदशमी अर्थात् अपराजिता पूजन

विजयदशमी का पर्व उत्तर भारत में आश्विन शुक्ल पक्ष के नवरात्र संपन्न होने के उपरांत मनाया जाता है। शास्त्रों में दशहरे का असली नाम विजयदशमी है, जिसे अपराजिता पूजा भी कहते हैं। नवदुर्गाओं की माता अपराजिता संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्तिदायिनी और ऊर्जा उत्सर्जन करने वाली हैं। महर्षि वेद व्यास ने अपराजिता देवी को आदिकाल की श्रेष्ठ फल देने वाली, देवताओं द्वारा पूजित और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) द्वारा नित्य ध्यान में लाई जाने वाली देवी कहा है। गायत्री स्वरूप अपराजिता को निम्नलिखित मंत्र से भी पूजा जाता है -

ओम् महादेव्यै च विद्महे दुर्गायै धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात।।
ओम् नमः सर्व हिताथैयै जगदाधार दायिके।
साष्टांगोप्रणामस्ते प्रयत्नेन मया कृतः।
नमस्ते देवी देवेशि नमस्ते ईप्सित प्रदे।
नमस्ते जगतां धातित्र नमस्ते शंकरप्रिये।।
ओम् सर्वरूपमयी देवी सर्व देवीमयं जगत।
अतोष्हं विश्वरूपां ता नमामि परमेश्वरीम।।

चारों युगों के आरंभ होने के समय से ही देवी अपराजिता के पूजन का भी आरंभ हुआ। कथा के अनुसार, देव-दानव युद्ध का काफी लंबा अंतराल बीत चुका था। नवदुर्गाओं ने दानवों के संपूर्ण वंश का नाश कर दिया। इसके बाद माता दुर्गा अपनी आदिशक्ति अपराजिता का पूजन करने के लिए शमी की घास लेकर हिमालय में अंर्तध्यान हो गईं और आर्य व्रत के राजाओं ने इस विजय को उत्सव के रूप में मनाते हुए विजयदशमी पर्व का आरंभ किया। उल्लेखनीय है कि उस वक्त विजयदशमी देवताओं द्वारा दानवों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मनाई गई थी। इस युद्ध में देवताओं के साथ धरती के राजा दशरथ, जनक और शोणक ऋषि जैसे राजाओं ने भी अपना युद्ध कौशल दिखाया था। बाद में रामायण काल में राम का राज्याभिषेक हुआ, लेकिन इसी दौरान रावण एवं अन्य दानवों के अत्याचारों से धरती फिर अशांत हो गई। धरती के जीवों को उनसे बचाने के लिए राम को वनवास पर जाना पड़ा। वैसे, राम ने अपने बाल्यकाल से ही आर्याव्रत पर घिरे हुए राक्षसों को एक-एक करके मारा। सबसे बड़े राक्षस रावण को मारने के लिए उन्हें जो श्रम करना पड़ा, उसका उल्लेख रामायण में मिलता है। राम-रावण युद्ध नवरात्रों में हुआ। रावण की मृत्यु अष्टमी-नवमी के संधिकाल में और दाह संस्कार दशमी तिथि को हुआ। इसके बाद विजयदशमी मनाने का उद्देश्य रावण पर राम की जीत यानी असत्य पर सत्य की जीत हो गया। आज भी संपूर्ण रामायण की रामलीला नवरात्रों में ही खेली जाती है और दसवें दिन सायंकाल में रावण का पुतला जलाया जाता है। इस दौरान यह ध्यान रखा जाता है कि दाह के समय भदा न हो। रामायण काल के बाद दशहरा मूलतः राजाओं यानि क्षत्रिय राजाओं का त्योहार माना गया। इसे राजाओं के विजय उत्सव के रूप में देखा जाने लगा। वे युद्ध में विजयी होकर उत्सव के रूप में अपनी प्रजा के बीच पहुंचते थे। मैसूर में वहां के राजा की सवारी काफी प्रसिद्ध रही है। वह इस दिन हाथी पर बैठकर अपने महल से बाहर आते थे और दशहरा मैदान में मां अपराजिता की पूजा करते थे। राजाओं की परिपाटी समाप्त होने के बाद आज वहां के राज्यपाल इस परंपरा का निर्वहन करते हैं। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू का दशहरा भी बहुत प्रसिद्ध है। यहां दशमी से अगले 15 दिन तक रोज वहां के भूतपूर्व राजा या उनके वंश को कोई व्यक्ति जनसभा में रावण दाह करके विजयदशमी का पूजन करता है। ऐसे ही सार्वजनिक उत्सव बनारस और इलाहाबाद में भी होते हैं। बंगाल में यह पूजन दुर्गा पूजा से ही जोड़ा जाता है। दुर्गा पूजा की महानवमी के बाद विजय दशमी के दिन कोलकाता समेत सारे बंगाल में मंदिरों में पंडाल सजते हैं और उत्सव मनाया जाता है। इसी दिन आदिशक्ति दुर्गा सहित काली पूजन और अपराजिता पूजन की रस्म भी निभाई जाती है। कुल मिलाकर, विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस विजय के लिए देवी मां अपराजिता अपनी अपार शक्ति समय-समय पर शूरवीर राजाओं को प्रदान करती रहती हैं।

विजयदशमी का पर्व हमारी संस्कृति से जुड़ा है। अपार भीड़ खींचने वाली यह सांस्कृतिक परंपरा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घर और बाहर उस विजयपर्व का आनंद उठाते हैं, जिसका आरंभ हजारों साल पहले हुआ था।

रणवीर सिंह ने खुद को बताया टाइगर का बहुत बड़ा फैन

यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ की एक्टर रणवीर सिंह ने जमकर तारीफ की। रणवीर सिंह ने खुद को टाइगर का बहुत बड़ा फैन बताया और उन्हें अपना मैन क्रश कहा। रणवीर ने कहा, दुनिया में शायद टाइगर जैसा कोई नहीं है। वे माइकल जैक्सन की तरह डांस कर सकते हैं और ब्रूस ली की तरह फाइट कर सकते हैं। टाइगर ने अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, जस्ट ए टाइगर एंटरिंग द लायन डेन. ग्रेटफुल टू बी किककिंग एस अलोंगसाइड डीज लीजेंड्स। ट्रेलर के रिलीज होते ही उनके फैंस, जिन्हें टाइगेरियन के नाम से जाना जाता है, सोशल मीडिया पर उनकी एंट्री की सराहना करने लगे। एक यूजर ने लिखा, आवर मोस्ट फेवरेट एंड पावरफुल कॉप गूजबम्पस। जबकि दूसरे ने उन्हें बाप ऑफ बॉलीवुड कहकर पुकारा। टाइगर श्रॉफ की डेब्यू फिल्म हीरोपंती ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए 77.9 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि उनकी बागी 2 ने वर्ल्डवाइड 254.33 करोड़ रुपये की कमाई की थी। उनकी फिल्म वॉर ने बॉक्स ऑफिस पर 475.62 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो 2019 की सबसे सफल फिल्मों में से एक बनी। टाइगर श्रॉफ रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण जैसे बड़े सितारों के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, टाइगर अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी बागी 4 के लिए भी तैयार हैं। बता दें कि बॉलीवुड के यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ ने रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन से कॉप-यूनिवर्स में शानदार एंट्री की है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया, जिसमें श्रॉफ की धमाकेदार एक्शन एंट्री ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

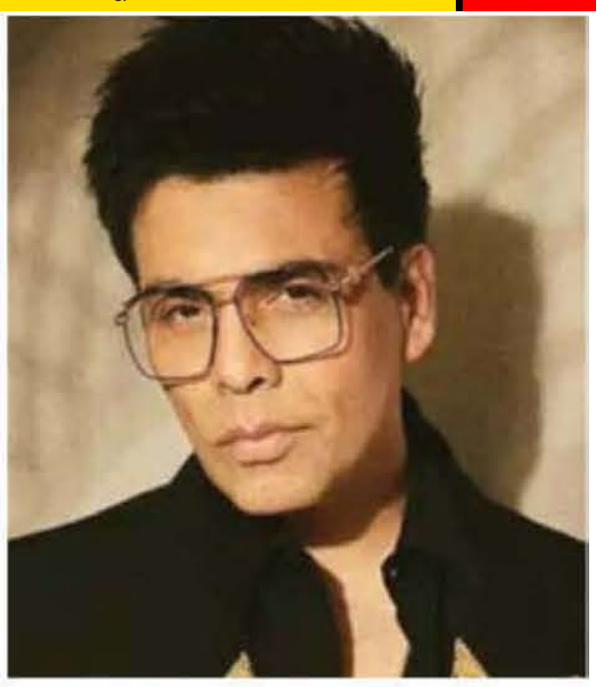

करण के शो द ट्रेटर्स को लेकर आ रही कई तरह की खबरें

मशहूर डायरेक्टर करण जौहर के अपकमिंग शो द ट्रेटर्स को लेकर रोजाना कई तरह की खबरें आ रही हैं। पहले शो के एलिमिनेशन से जुड़ी खबरें आईं, और अब खबर है कि शो का विनर अनाउंस हो गया है। जानकारी के मुताबिक, उर्फी जावेद ने द ट्रेटर्स जीत लिया है। हालांकि, अभी इस बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और अधिक जानकारी का इंतजार है। द ट्रेटर्स का कॉन्सेप्ट पूरी तरह गेम प्ले पर आधारित है, जिसमें कंटेस्टेंट्स के निजी जीवन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। शो की शूटिंग राजस्थान के जैसलमेर में 12 दिनों तक की गई है। इस शो को करण जौहर होस्ट करेंगे, और इसमें कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे, जिनमें करण कुंद्रा, उर्फी जावेद, राज कुंद्रा, जन्नत जुबैर, महीप कपूर, सुधांशु पांडे, मुकेश छाबड़ा जैसे सेलेब्रिटी शामिल हैं। शो में पहले राज कुंद्रा और फिर करण कुंद्रा के एलिमिनेट होने की खबरें भी सामने आई थीं। यह शो जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है। उर्फी जावेद की जीत ने शो के दर्शकों में और भी उत्सुकता बढ़ा दी है। उर्फी जावेद की बात करें तो वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस हैं, जो अपने बोल्ड फैशन सेंस और विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में रहती हैं।

सुहाना सभी लोगों के साथ बेहद अच्छे से पेश आती हैं: वेदांग रैना

फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशन के दौरान अभिनेता वेदांग रैना ने अपने पुराने को-स्टार्स सुहाना खान और खुशी कपूर के बारे में कुछ रोचक बातें साझा कीं। फिल्म के प्रमोशनल इवेंट के दौरान वेदांग एक सवाल के जवाब में वेदांग ने कहा कि सुहाना खान अपने आस-पास के सभी लोगों के साथ बेहद अच्छे से पेश आती हैं, और यह उनकी सबसे प्यारी आदत है। उन्होंने कहा कि सेट पर सुहाना हमेशा विनम्र और मददगार रही हैं, जिससे काम का माहौल और बेहतर हो जाता था। हालांकि, सुहाना की एक आदत वेदांग को थोड़ी नापसंद है, और वह है उनका मेकअप में बहुत समय लगाना। वेदांग ने मजाकिया अंदाज में बताया कि द आर्चीज की शूटिंग के दौरान सभी लड़के 15 मिनट में तैयार हो जाते थे, लेकिन सुहाना को तैयार होने में लगभग 40 मिनट का समय लगता था। कभी-कभी उनके मेकअप टीम के देरी से तैयार होने के कारण शूटिंग भी रुकी रहती थी। हालांकि, वेदांग ने साफ किया कि इसमें सुहाना की गलती नहीं थी, बल्कि उनके किरदार की मांग ही ऐसी थी। जब बात आई वेदांग की रूमर्ड गर्लफ्रेंड और को-स्टार खुशी कपूर की, तो उन्होंने खुशी की सबसे अच्छी आदत बताते हुए कहा कि वह बहुत पोलाइट और दूसरों के साथ बहुत सम्मानजनक व्यवहार करती हैं। वेदांग को खुशी का यह स्वभाव बहुत पसंद है, जो उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाता है। हालांकि, खुशी की एक आदत वेदांग को कम पसंद है, और वह है उनका अपनी खुद की काबिलियत पर शक करना। वेदांग ने बताया कि खुशी कभी-कभी खुद पर भरोसा नहीं करतीं, जो उन्हें नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

वेदांग ने कहा कि खुशी में काफी प्रतिभा है, और उन्हें अपनी काबिलियत पर विश्वास रखना चाहिए। वेदांग रैना के ये बयान फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशनल इवेंट्स के दौरान खूब चर्चा में रहे, और उनके फैंस ने भी उनकी ईमानदारी और बेबाकी की सराहना की। बता दें कि अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'जिगरा' को लेकर खूब चर्चा में हैं। यह उनकी दूसरी फिल्म है, जो 11 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वेदांग रैना आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

दर्शक के रूप में हम बहुत नकारात्मक हो गए: जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की फिल्म देवरा ने अब तक दुनिया भर में 466 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, इसके बावजूद फिल्म को उम्मीद के अनुसार रिस्पांस नहीं मिल पाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, जूनियर एनटीआर ने फिल्म के खराब प्रदर्शन पर खुलकर बात की। उन्होंने फिल्म की असफलता का दोष दर्शकों पर मढ़ते हुए कहा, हम एक दर्शक के रूप में इन दिनों बहुत नकारात्मक हो गए हैं। हम अब एक अच्छे तरीके से फिल्म का आनंद नहीं ले पा रहे हैं। जब मैं अपने बेटों को देखता हूं, तो उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि वे किस एक्टर या किस फिल्म को देख रहे हैं। वे सिर्फ फिल्मों का आनंद लेते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे हैरानी होती है कि हम अब बच्चों की तरह क्यों नहीं हो सकते? आज हम हर फिल्म का विश्लेषण कर रहे हैं, निर्णय ले रहे हैं और बहुत ज्यादा सोच-विचार कर रहे हैं। शायद सिनेमा के प्रति हमारा जुड़ाव हमें ऐसा बना रहा है। देवरा का निर्देशन कोरटाला शिवा ने किया है, जिसमें जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जाह्नवी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर आरआरआर के दो साल बाद जूनियर एनटीआर की वापसी को चिह्नित करती है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन उम्मीदों से कमतर रहा है। बता दें कि फिल्म देवरा हाल ही में रिलीज हुई थी, जिसने शुरुआती दिनों में दमदार कमाई की और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं प्राप्त कीं। हालांकि, अब फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच धीमा होता नजर आ रहा है।

एक्ट्रेस ज़रीन ने की सीटीआरएल की प्रशंसा

बालीवुड एक्ट्रेस ज़रीन खान ने फ़िल्म के बारे में अपने विचार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए। एक्ट्रेस ने कहा सीटीआरएल इज ट्रूली ग्राउंडब्रेकिंग! कॉंग्रेट्स टू मोटवायने फ़ॉर येट अगेन मेकिंग ए फ़िल्म दैट इज क्लोज टू होम. इट शेक्स यू फ़ॉम विदइन, मेक्स यू थिंक. अनन्या पांडे, यू आर टू गुड. वन ऑफ योर बेस्ट्स फ़ॉर श्योर. इससे पहले, अनुराग कश्यप, सामंथा रूथ प्रभु और जैसे कई सेलिब्रिटीज ने फिल्म पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। यह पहली बार नहीं है, जब ज़रीन ने अपने इंडस्ट्री के लोगों के काम की सराहना की है। अपने सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस ने अपने फैंस और फॉलोवर्स के साथ अपने एक्सप्रेशन और राय साझा करने में कभी संकोच नहीं किया। खान फिलहाल अपने फिटनेस वीडियो के लिए सुर्खियों में हैं, जिसने उनकी सिल्वर स्क्रीन वापसी को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। हाल ही में, आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान, एक्ट्रेस ने वादा किया था कि उनके दर्शक उन्हें जल्द ही स्क्रीन पर देख पाएंगे। अभिनेत्री ने कथित तौर पर कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट साइन किए हैं, जिनकी घोषणा वह जल्द ही करेंगी। बता दें कि ज़रीन खान उन मशहूर हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं, जो विक्रमादित्य मोटवानी के लेटेस्ट प्रोजेक्ट सीटीआरएल की प्रशंसा कर रहे हैं।

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में नजर आएंगे रणबीर और नीतू कपूर

बालीवुड एक्टर स्वर्गीय ऋषि कपूर की पुत्री रिद्धिमा कपूर नेटफ्लिक्स के पॉपुलर शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में पहली बार अपने जीवन को सार्वजनिक करने जा रही हैं। सुपरस्टार रणबीर कपूर और उनकी मां, दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर, जल्द ही अपनी बहन रिद्धिमा कपूर को समर्थन देते हुए नजर आएंगे।

शो का ट्रेलर रिलीज किया गया, जो इस बार की प्रतिस्पर्धा में ओरिजिनल बॉलीवुड वाइव्स और तीन नए चेहरों—शालिनी पासी, कल्याणी साहा और रिद्धिमा के बीच होने वाली है। ट्रेलर में एक दिलचस्प टकराव को दर्शाया गया है, जिसमें मुंबई से दिल्ली का मुकाबला देखने को मिलेगा। ट्रेलर के कैप्शन में लिखा गया है- मुंबई से दिल्ली का जबरदस्त टकराव, आ रहा है 18 अक्टूबर को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर! ट्रेलर में रणबीर कपूर भी कुछ क्षणों के लिए दिखाई देते हैं, जहां वे मजाक करते हैं कि उनकी बहन रिद्धिमा शो को पूरी तरह से गड़बड़ कर देगी।

इस शो की पहली सीजन में नीलम कोठारी, महीप कपूर, भावना पांडे और सीमा किरण सजदेह की निजी और पेशेवर जिंदगी दिखाई गई थी। दूसरा सीजन सितंबर 2022 में आया था, जिसमें उनके पतियों को भी शामिल किया गया। इस नए सीजन में चंकी पांडे, समीर सोनी और संजय कपूर जैसे सितारे भी शामिल होंगे।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि दर्शकों को ढेर सारा हंगामा, ड्रामा, और ग्लैमर देखने को मिलेगा, जब मुंबई की वाइव्स और दिल्ली की सोशलाइट्स के बीच शानदार टकराव होगा। ट्रेलर में नीतू और रिद्धिमा के बीच एक भावनात्मक बातचीत भी दिखती है, जिसमें वे अपने दिवंगत पिता ऋषि कपूर के निधन के बाद की जिंदगी पर चर्चा कर रही हैं। नीतू कहती हैं, पापा के बाद, रिद्धिमा, मैं कांपने लगी थी। रिद्धिमा जवाब में कहती हैं, हम अपनी भावनाएं जाहिर नहीं करते, लेकिन अंदर से हम अब भी दुखी हैं। यह नया सीजन रिद्धिमा के लिए एक विशेष अवसर है, जहां वह अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं को साझा करेंगी।

सेक्टर-27 में भीषण आग, एक नर्स की मौत, दूसरी गंभीर

नोएडा (चेतना मंच)। शुक्रवार की देर रात शहर के सेक्टर-27 के एफ-95 में भीषण आग लग गई। जिससे झुलसकर एक महिला की मौत हो गई तथा दूसरी गंभीर रूप से घायल है।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने की कोशिशों में जुट गईं। बताया गया है कि आग लगने की घटना में मकान के दूसरे तल पर रहने वाली श्वेता सिंह पुत्री मढ़ई निवासी गोरखपुर की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई है। उनकी चचेरी बहन नम्रता सिंह पुत्री नीरज उपचाराधीन हैं।

नोएडा के डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-27 स्थित एक मकान में सिलेंडर फटने से आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) और चीफ़ फ़ायर ऑफ़िसर (सीएफओ) गौतम बुद्ध नगर पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। फायर सर्विस यूनिट की तीन गाड़ियों द्वारा आग पर काबू पा लिया गया। उक्त मकान चार मंजिला था, और आग इसके प्रथम तल पर लगी थी। मकान में रहने वाली महिला के अनुसार, घटना के समय वह बाजार गई हुई थी और उसके बेटे ने बोर्ड में आग लगने की सूचना दी। जांच में पता चला कि आग बिजली के बोर्ड में लगी थी, जिसने घर में रखे पटाखों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आग और फैल गई।

मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल में जीत पर सोफिया को दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। मौजूदा मिस एशिया पैसिफिक इंडिया सोफिया सिंह ने फिलीपींस के मनीला में आयोजित मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल 2024 प्रतियोगिता में 'कॉन्टिनेंटल क्वीन ऑफ एशिया' का प्रतिष्ठित खिताब हासिल करके देश को बहुत गौरवान्वित किया है।

शालीनता और शिष्टता के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, सोफिया ने विभिन्न उप-प्रतियोगिताओं, फोटोशूट और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हुए 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की। प्रारंभिक दौर में प्रतिभाशाली अखिल गुप्ता द्वारा डिजाइन की गई उनकी राष्ट्रीय पोशाक का प्रदर्शन किया गया, जिससे भारत को दूसरा उपविजेता स्थान मिला।

7 अक्टूबर को ग्रैंड फिनाले में सोफिया का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने शीर्ष 20 प्रतियोगियों में जगह बनाई और प्रतिष्ठित 'कॉन्टिनेंटल क्वीन ऑफ एशिया' का खिताब जीता।

भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने सोफिया के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की है और उनकी ऐतिहासिक जीत को उनकी प्रतिभा और दृढ़ता का प्रमाण बताया है। पूरे नोएडा की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को गौरवान्वित करने के लिए सोफिया को बधाई दी।

इस अवसर पर जिलामहामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष उमेश पहलवान, कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, रचना जैन, सेक्टर-55 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सत्यनारायण महावर उपस्थित रहे।

डांडिया पर जमकर थिरके रजत विहार के लोग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर- 62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया।

महासचिव गोपाल शर्मा ने बताया कि सोसायटी में हर साल की तरह इस साल भी डांडिया नाइट आयोजन किया गया जिसमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे सभी निवासी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। डांडिया नाइट की शुरुवात गणेश वंदना, व दुर्गा आरती से शुरुवात हुई इसके बाद बॉलीवुड गानों, गरबा इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक पर सभी निवासियों ने गरबा व डांडिया किया।

पिछले एक महीने से सभी महिलाएं पुरुष बच्चे डांडिया, गरबा की अभ्यास लगातार कर रहे थे। महिलाओं ने जमकर डांडिया डांडिया रास के साथ ही गरबा का आनंद लिया। यह डांडिया नाइट आरडब्ल्यूए एवम सभी निवासी के सहयोग से अयोजित की गई।

इस दौरान आरडब्ल्यूए प्राधिकारी, एसीपी, एसएचओ अमित कुमार थाना 58, फोनेरवा अध्यक्ष योगिंदर शर्मा, चौकी इंचार्ज सुधीर कुमार और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एमिटी विवि. मे आयोजित 6वें अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन 'आईसीईआईएल' का समापन

नोएडा (चेतना मंच)। छात्रों के अंदर उद्यमिता, नवाचार और नेतृत्वता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय

द्वारा 9 से 12 अक्टूबर 2024 तक चल रहे 6 वें अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन ''आईसीईआईएल 2024'' का आज समापन हो गया। समापन समारोह में अंर्तराष्ट्रीय व्यापार स्टार्टअप एवं उद्यमी संघ के चेयरमैन डा अंशुमान सिंह, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिदर सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश के चांसलर डा अतुल चौहान और एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डा असीम चौहान द्वारा भेजा गया विशेष संदेश भी पढ़ा गया। इस अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन ''आईसीईआईएल 2024' मे एमिटी के पूर्व छात्रों और उद्यमियों को एमिटी एक्सलेस अवार्ड प्रदान किया गया जिसकें अंर्तगत एमिटी के पूर्व छात्र और टिविमबिट के अध्यक्ष एवं ग्लोबल सीईओ गौरव दुआ और एमिटी के पूर्व छात्र एंव द हाईअर पिच प्राइवेट लिमिटेड के सह संस्थापक निशांत मिश्रा को एमिटी अल्युमनी इनोवेटिव लीडरशिप एक्सलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त एमिटी के पूर्व छात्र और मेडन फॉरजिंग लिमिटेड के एमडी निशांत गर्ग और एमिटी के पूर्व छात्र एवं वार्ष्णेय इनफोटेक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री भूपेंद्र वाष्णेय को एमिटी अल्युमनी एंटरप्रिन्यौरियल एक्सलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रसिद्ध उद्यमियों जैसे एस एस राना एंड कंपनी के मैनेजिंग पाटर्नर श्री विक्रांत राना को एमिटी एंटरप्रिन्यौरियल एक्सलेंस अवार्ड और टेक महिन्द्र को ग्रुप जनरल कांउसल विनित विज को एमिटी लीडरशिप एक्सलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि तीन दिवसीय सम्मेलन उद्योग विशेषज्ञों द्वारा कुछ बेहतरीन प्रेरक सत्रों के साथ अत्यधिक समृद्ध और ज्ञानवर्धक रहा।

एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिदर सिंह ने कहा कि एमिटी की स्थापना न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर सबसे बड़े और सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक के रूप में हुई है, जो एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक के. चौहान की अनुकरणीय उद्यमशीलता और दूरदर्शिता की सच्ची कहानी है।अपने विशेष संबोधन में एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के चांसलर डॉ. अतुल चौहान ने सम्मेलन की अपार सफलता पर सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि एमिटी को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में अत्यधिक सफलता प्राप्त की है और वे एमिटी के सैकड़ों छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अपने विशेष संबोधन में एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डॉ. असीम चौहान ने सम्मेलन की सराहना की और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऐसे और सम्मेलन आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि युवाओं को भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

सैक्टर-39 में आयोजित हुआ भंडारा

नोएडा (चेतना मंच)। माता रानी के आशीर्वाद से राजीव भाई नवादा ने पवित्र नवरात्रों की नवमी पर सैक्टर-39 नोएडा मे भंडारे का आयोजन किया। माता रानी की पूजा अर्चना के बाद कन्या पूजन व उनको प्रसाद दिया गया। उसके बाद निरश्रित, भूखे लोगों को प्रसाद के रूप मे भरपेट भोजन कराया गया। माता रानी से सभी के सुख, संतोष, और आनन्द की प्रार्थना की गई।

भंडारे मे मनीष मकवाना, सुमित नवादा, सन्नी नवादा, विनीत नवादा, अंकित, अमन, प्रशांत, रितिक, सोनू, पंकज, विशाल, बनित, वंश, तुषार, अमित, अनुज ने सहयोग किया।

किसान आंदोलन में शामिल होंगे सपा विधायक अतुल प्रधान

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन मंच के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान के नेतृत्व में मेरठ पहुंचकर सरधना विधायक अतुल प्रधान के द्वारा शिक्षा और चिकित्सा के लिए किया जा रहे जन आंदोलन को समर्थन दिया और सरधना विधायक अतुल प्रधान को नोएडा प्राधिकरण पर 10 अक्टूबर से चल रहे भारतीय किसान यूनियन मंच के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में शामिल होने का निमंत्रण पत्र भी दिया।

सरधना विधायक अतुल प्रधान ने भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान और सभी पदाधिकारी को आश्वासन दिया कि नोएडा के किसानों की समस्याओं को विधानसभा में भी उठाया जाएगा और जैसे ही समय मिलेगा नोएडा प्राधिकरण पर चल रहे धरना प्रदर्शन में भी शामिल होने के लिए पहुंचूंगा।

मेरठ जाते वक्त भारतीय किसान यूनियन मंच की कार्यकारिणी ने मेरठ टोल पर ज्ञापन दिया और ज्ञापन में मांग की मेरठ टोल से गुजरने वाले किसानों को टोल शुल्क में रियायत मिले।

इस अवसर पर अशोक चौहान, गजेंद्र बैसोया ,आशीष चौहान, दानिश सैफी ,रिंकू यादव,अमित बैसोया,पाला प्रधान ,ओम अवाना, अमित यादव, प्रिंस भाटी संदीप चौहान, पोई यादव, तेज सिंह चौहान, आदि कार्यकर्ता मौजूद है।

श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए कांग्रेस नेता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा के कनावनी में श्री कृष्णा ट्रस्ट गौशाला द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में अथिति के रूप में नोएडा से कई कांग्रेस नेता शामिल हुए तथा उनको सम्मानित किया गया।

इस मौके पर दयाशंकर पांडेय, प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा,चाचा सतपाल गर्ग शामिल हुए तथा आयोजन समिति के पदाधिकारी सूरज पंडित, देवराज शर्मा, अमित शर्मा, एड.अंकुश शर्मा, पुष्कर शर्मा, सौरभ शर्मा सहित समस्त टीम को सुंदर आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आईएमएस-डीआईए में दुर्गा पूजनोत्सव का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। आईएमएस डिजाइन एण्ड इनोवेशन एकेडमी में दुर्गा पूजनोत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापना की गई एवं पारंपरिक रीति-

हॉस्टल के छात्राओं ने किया रामलीला का मंचन

रिवाजों के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजन कार्यक्रम में छात्रों ने नृत्य, गीत, एवं रामलीला का भी मंचन किया। छात्रों ने दुर्गा पूजनोत्सव में रामायण के प्रसंगो को जीवंत रूप से प्रस्तुत कर धार्मिक एवं सास्कृतिक माहौल को प्रगाढ़ बनाया।

दुर्गा पूजनोत्सव के दौरान संस्थान के महानिदेशक प्रो.(डॉ.) विकास धवन ने कहा कि त्योहार हमारी एकता, प्रेम और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है। आईएमएस डिजाइन एण्ड इनोवेशन एकेडमी के डीन डॉ. एमकेवी नायर ने

सभी देशवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

संस्थान द्वारा आयोजित दुर्गा पूजनोत्सव में आईएमएस डिजाइन एण्ड इनोवेशन एकेडमी के स्टाफ, फैकल्टी एवं छात्र-छात्राओं ने शिरकत की। छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान गीत, संगीत और नृत्य से सबका मन मोहा। कार्यक्रम के दौरान देवी नौ रूपों की महिमा को प्रस्तुत किया। वहीं डांडिया प्रतियोगिता के साथ संस्थान द्वारा आयोजित चार दिवसीय उत्सव का समापन पूरा हुआ।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308